दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-45, अंक 118
कोटद्वार गुरूवार
24 अगस्त 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

सबसे आगे हिन्दुस्तानी

रच दिया इतिहास, चांद पर चंद्रयान की सफल लैंडिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने विश्व गुरु बनने की दिशा में बुधवार को बड़ी छलांग लगाते हुए चांद के उस हिस्से पर राष्ट्रीय ध्वज लहरा दिया जहां आज तक कोई भी देश नहीं पहुंच पाया था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान–3 को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतारकर अंतरिक्ष की दुनिया में इतिहास रच दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दक्षिण अफ्रीका से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि आज सफलता की अमृत वर्षा हुयी है। देश ने धरती पर सपना देखा और चांद पर साकार किया। कुछ दिन पहले रूस ने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने की कोशिश की थी लेकिन उसका लूना–25 अंतरिक्ष यान चांद की सतह से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। ऐसे में भारत के चंद्रयान–3 मिशन की अहमियत और बढ़ गई थी। पूरी दुनिया की नजर इस मिशन पर थी। चंद्रयान–3 की सफलता के लिए देश के कोने–कोने में आज सुबह से पूजा, प्रार्थना और इबादत की दौर शुरू हो गयी थी।

इसरो के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान –3 को चांद की ऐसी सतह पर उतरा है जो मुश्किलों की जाल से घिरी है। सबसे बड़ी चुनौती यहां का अंधेरा था। यहां पर लैंडर बिक्रम को उतारना काफी मुश्किल था क्योंकि चांद पर पृथ्वी की तरह वायुमंडल नहीं है। हमारे वैज्ञानिकों ने मुश्किलों को 'राई' बनाकर पुरानी गलतियों से बड़ी सबक लेते हुए चंद्रयान–3 के लैंडर और रोवर 'प्रज्ञान' को चांद के उस आगोश में पहुंचाकर सांस ली, जहां से कई खगोलीय रहस्यों का परत–दर परत खुलेगा।

चंद्रयान –3 के रोवर में चंद्रमा की सतह से संबंधित डेटा प्रदान करने के लिए पेलोड के साथ कॉन्फ़िगिर की गयी मशीनें लगी हैं। यह चंद्रमा के वायुमंडल की मौलिक संरचना पर डेटा एकत्र करेगा और लैंडर को डेटा भेजेगा। लैंडर पर तीन पेलोड्स हैं। उनका काम चांद की प्लाज्मा डेंसिटी, थर्मल प्रॉपर्टीज और लैंडिंग साइट के आसपास की सीस्मिसिटी मापना है ताकि चांद के क्रस्ट और मैंटल के स्ट्रक्चर का सही–सही पता लग सके। एक चांद की सतह पर प्लाज्मा (आयन्स और इलेट्रॉन्स) के बारे में जानकारी हासिल करेगा। दूसरा चांद की सतह की तापीय गुणों के बारे में अध्ययन करेगा और तीसरा चांद की परत के बारे में जानकारी जुटाएगा। इसके अलावा चांद पर भूकंप कब और कैसे आता है इसका भी पता लगाया जाएगा।

भारत ने सितंबर 2019 में इसरो ने चंद्रयान–2 को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतारने की कोशिश की थी, लेकिन तब लैंडर की हार्ड लैंडिंग हो गई थी। पिछली गलतियों से सबक लेकर चंद्रयान–3 को 'जीत' के लिए ही तैयार किया गया था। चांद का दक्षिणी ध्रुव भी पृथ्वी के दक्षिणी ध्रुव की तरह ही है। पृथ्वी का दक्षिणी ध्रुव अंटार्कटिका में है जो धरती का सबसे ठंडा इलाका है। इसी तरह चांद का दक्षिणी ध्रुव अपनी सतह का सबसे ठंडा क्षेत्र है। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर अगर कोई अंतरिक्ष यात्री खड़ा होगा, तो उसे सूर्य क्षितिज की रेखा पर नजर आएगा। वह चांद की सतह से लगता हुआ और चमकता नजर आएगा।इस इलाके का ज्यादातर हिस्सा छाया में रहता है, क्योंकि सूर्य की किरणें तिरछी पड़ती हैं जिससे यहां तापमान कम होता है।

नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार चांद का दक्षिणी ध्रुव काफी रहस्यमयी है। दुनिया अब तक इससे अनजान है। नासा के एक वैज्ञानिक का कहना है," हम जानते हैं कि दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ है और वहां दूसरे प्राकृतिक संसाधन भी हो सकते हैं। ये हालांकि अब तक अनजान दुनिया ही है।" नासा का कहना है," चूंकि दक्षिणी ध्रुव के कई क्रेटर्स पर कभी रोशनी पड़ी ही नहीं और वहां का ज्यादातर हिस्सा छाया में ही रहता है, इसलिए वहां बर्फ होने की कहीं ज्यादा संभावना है। ऐसा भी अंदाजा है कि यहां जमा पानी अरबों साल पुराना हो सकता है। इससे सौरमंडल के बारे में काफी अहम जानकारियां हासिल करने में मदद मिल सकेगीं।

अगर पानी या बर्फ मिल जाती है तो इससे हमें ये समझने में मदद मिलेगी कि पानी और दूसरे पदार्थ सौरमंडल में कैसे घूम रहे हैं। पृथ्वी के ध्रुवीय क्षेत्रों से मिली बर्फ से पता चला है कि हमारे ग्रह की जलवायु और वातावरण हजारों साल में किस तरह से विकसित हुई है।पानी या बर्फ मिल जाती है तो उसका इस्तेमाल पीने के लिए, उपकरणों को ठंडा करने, रॉकेट फ्यूल बनाने और शोधकार्य में किया जा सकेगा।" चंद्रयान–3 ने 14 जुलाई को दोपहर 2:35 बजे श्रीहरिकोटा केन्द्र से उड़ान भरी थी।

अमित शाह ने किया स्वागत

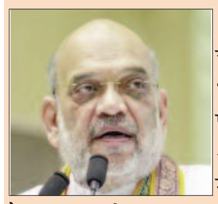

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि चंद्रयान–3 मिशन की सफलता के साथ भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव को छूने वाला पहला देश बन गया है। उन्होंने कहा कि नई अंतरिक्ष यात्रा भारत की खगोलीय महत्वाकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों पर ले गई है। गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय कंपनियों के लिए अंतरिक्ष का प्रवेश द्वार खुलने से हमारे युवाओं के लिए रोजगार के ढेर सारे अवसर पैदा होंगे।

राजनाथ सिंह ने इसरो को दी बधाई

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मिशन चंद्रयान–3 की सफलता पर इसरो की पूरी टीम को बहुत बधाई। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में भारत की उपलब्धियां अब अभूतपूर्व ऊंचाइयों को छू चुकी हैं। रक्षामंत्री ने कहा कि सारा देश उन वैज्ञानिकों पर गर्व महसूस कर रहा है, जिन्होंने अपनी बुद्धिमत्ता, मेहनत और प्रबल इच्छाशक्ति से इस मिशन की सफलता के साथ इतिहास रच दिया है।

अंतरिक्ष में भारत की विशिष्ट पहचानः नड्डा

चंद्रयान–3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस मिशन से जुड़े सभी वैज्ञानिकों और देश के लोगों को बधाई दी। नड्डा ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी एक विशिष्ट पहचान बना रहा है

योगी आदित्यनाथ ने इसरो को दी बधाई

वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चंद्रयान–3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग नए भारत की सामर्थ्य और शक्ति का सशक्त प्रदर्शन है।

मुख्यमंत्री धामी ने दी बधाई

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय स्थित वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सभागार में शासन के उच्चाधिकारियों, विद्यालयी शिक्षा विभाग के अधिकारियों व स्कूली छात्र–छात्राओं के साथ चंद्रयान–3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर ऐतिहासिक सफल लैंडिंग का सजीव प्रसारण को देखा। सभी ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी का सम्बोधन सुना व देखा।

चंदा मामा बहुत दूर के नहीं, बस एक टूर के

चांद पर चंद्रयान–3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग पर बोले पीएम

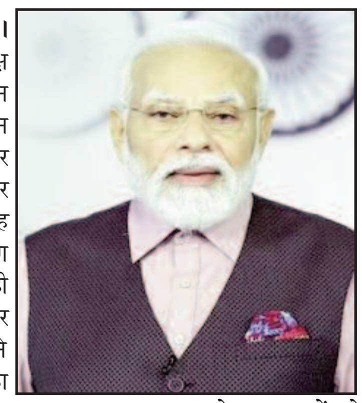

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मिशन चंद्रयान–3 की बुधवार की शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक लैंडिंग हो गई। इसके साथ ही चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर अपने यान को उतारने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया है। इस अंतरिक्ष अभियान पर दुनियाभर की नजरें टिकी हुईं थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मिशन को दक्षिण अफ्रीका से लाइव देख रहे थे। प्रधानमंत्री 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जोहान्सबर्ग में हैं। वे वहीं से लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए इस पल को देख रहे थे। इसरो की सफलता पर उन्होंने कहा कि ये ये विकसित भारत का क्षण है।

प्रधानमंत्री ने कहा, हर देशवासी की तरह मेरा ध्यान चंद्रयान महाअभियान पर लगा हुआ है। मैं भी अपने देशवासियों के साथ, अपने परिवारजनों के साथ इस उमंग और उल्लास से जुड़ा हुआ हूं। भारत चंद्रमा के उस दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचा है, जहां आज तक कोई देश नहीं पहुंचा है। आज से चांद से जुड़े कई मिथक बदल जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, "मेरे प्यारे परिवारजनो! जब हम अपनी आंखों के सामने ऐसा इतिहास बनते हुए देखते हैं तो गर्व होता है। ऐसी ऐतिहासिक घटनाएं राष्ट्र जीवन की चेतना बन जाती हैं। यह पल अविस्मरणीय है। यह क्षण अभूतपूर्व है।

यह क्षण विकसित भारत के शंखनाद का है। यह क्षण नए भारत के जयघोष का है। यह क्षण मुश्किलों के महासागर को पार करने का है। यह क्षण जीत के चंद्रपथ पर चलने का है। यह क्षण 140 करोड़ धड़कनों के सामर्थ्य का है। यह क्षण भारत की नई ऊर्जा, नई चेतना का है। यह क्षण भारत के उदीयमान भाग्य के आह्वान का है। अमृतकाल की प्रथम प्रभा में सफलता की अमृत वर्षा हुई है। हमने धरती पर संकल्प लिया और चांद पर उसे साकार किया।"

उन्होंने कहा, "आज हम अंतरिक्ष में नए भारत की नई उड़ान के साक्षी बने हैं। हर घर में उत्सव शुरू हो गया है। हृदय से मैं भी अपने देशवासियों के साथ अपने परिवारजनों के साथ इस उमंग और उल्लास से जुड़ा हुआ हूं। मैं टीम चंद्रयान को, इसरो को और देश के सभी वैज्ञानिकों को जी–जान से बहुत–बहुत बधाई देता हूं। जिन्होंने इस क्षण के लिए वर्षों से इतना परिश्रम किया। हमारे वैज्ञानिकों के परिश्रम से भारत उस दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचा है, जहां आज तक दुनिया का कोई भी देश नहीं पहुंच सका है। आज के बाद से चांद से जुड़े मिथक बदल जाएंगे, कथानक भी बदल जाएंगे और नई पीढ़ी के लिए कहावतें भी बदल जाएंगी।

भारत में तो हम सभी लोग धरती को मां कहते हैं और चांद को मामा बुलाते हैं। कभी कहा जाता था कि चंदा मामा बहुत दूर के हैं, अब एक दिन वो भी आएगा, जब बच्चे कहा करेंगे कि चंदा मामा बस एक टूर के हैं।"

भारत ने रचा इतिहास, जश्न में डूबा उत्तराखंड, लगे भारत माता की जय के नारे

देहरादून , एजेंसी। चंद्रयान–3 की चंद्रमा पर सफलता पूर्वक लैंडिंग के साथ ही भारत ने इतिहास रच दिया है। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) से युक्त लैंडर मॉड्यूल ने शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर सॉफ्ट लैंडिंग की।

उत्तराखंड में पहाड़ से लेकर मैदान तक चंद्रयान–3 की सफलता के बाद जश्न के साथ ही गर्व और रोमांच का माहौल है। लोगों ने एक दूसरे का मिठाई खिलाकर बधाई दी। साथ ही हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय के नारे लगाए। शाम छह बजकर चार मिनट पर बच्चों से लेकर नौजवान और बुजुर्ग हर कोई जश्न में डूबा नजर आया।

राजधानी देहरादून में घंटाघर पर लोगों ने ढोल नगाड़ों के साथ जश्न मनाया। वहीं, स्कूलों में चंद्रयान–की लाइव लैंडिग देख रहे छात्रों ने भारत माता की जय के नारे लगाए और खूब डांस किया।

लद्दाख में चीन के '72' मिलिट्री सेटेलाइट की दादागिरी खत्म होगी

नई दिल्ली। 'चंद्रयान–3' की सफलता, भारत के लिए कई मायनों में एक बड़े बदलाव का प्रतीक बनेगी। विकास की नई राहें खुलने के अलावा 'चंद्रयान–3' की कामयाबी, बॉर्डर की सुरक्षा के मोर्चे पर भी काफी मददगार साबित होगी। लद्दाख व दूसरे क्षेत्रों में चीन ने बॉर्डर पर नजर रखने और भारतीय सेना की गतिविधियों का पता लगाने के लिए 72 'मिलिट्री' सेटेलाइट छोड़ रखे हैं। 'चंद्रयान–3' की सफलता के बाद ड्रैगन की दादागिरी खत्म की जा सकेगी। शत्रु राष्ट्र की हरकत काबू में रहेगी। स्पेस कमीशन के सदस्य डॉ. किरण कुमार ने बताया कि चंद्रयान की सफलता के बाद, चीन जो बहुत कम अंतराल पर बॉर्डर के किसी न किसी हिस्से में घुसपैठ का प्रयास करता रहता है, उसकी सेना की मिनट–टू–मिनट मूवमेंट का पता चल सकेगा। भारत, चीन को अपनी क्षमता दिखा सकता है। पाकिस्तान और दूसरे देशों से लगती सीमा पर भी सटीक निगरानी हो सकेगी।

बॉर्डर पर अपनी गतिविधियां बढ़ा रहा है चीन

डॉ. किरण कुमार ने बताया, भारत–चीन सीमा पर सर्विलांस करने में चंद्रयान 3, बहुत मददगार साबित होगा। भारत चीन सीमा पर कुछ वर्षों से घुसपैठ की गतिविधियां बढ़ रही हैं। चीन की सेना के भारतीय क्षेत्र में आने की खबरें आती रहती हैं। पिछले दिनों लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने चीन से लगती सीमा पर पेट्रोलिंग पॉइंट्स को लेकर केंद्र सरकार से कई सवाल पूछे थे। उन्होंने पूछा, क्या चीन बॉर्डर पर 65 में से 26 पेट्रोलिंग पॉइंट्स से भारत ने अपना अधिकार खो दिया है। क्या 'बफर' जोन भी भारत की जमीन में बने हैं। इस वर्ष जनवरी में आयोजित डीजीपी–आईजीपी सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए एक विस्तृत सिक्योरिटी रिसर्च पेपर में भारत के क्षेत्र पर चीन के अवैध कब्जे जैसी स्थिति सामने आई थी। मनीष तिवारी ने लोकसभा में उसी सम्मेलन का हवाला देते हुए पूछा था कि मई 2020 से पहले भारत सभी 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स पर पेट्रोलिंग करता था। गलवान में मई 2020 के दौरान ही भारत के 20 बहादुरों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। चीन, भारत को यह तथ्य स्वीकार करने के लिए मजबूर करता है कि इन क्षेत्रों में लंबे समय से आईएसएफ या नागरिकों की उपस्थिति नहीं देखी गई है।

बिना दूरबीन, चीन के ड्रोन देखना संभव नहीं

कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, जो कई दिनों तक लद्दाख में रहे हैं, उन्होंने भी चीन द्वारा घुसपैठ करने का आरोप लगाया है। राहुल ने कहा है कि स्थानीय लोग जिस जगह पर अपने पशु चराने जाते थे, अब वहां नहीं जा सकते। कांग्रेस पार्टी का यह आरोप भी रहा है कि 2020 की गलवान की घटना के बाद दोनों देशों के बीच जो बफर जोन बना है, वह भारत के हिस्से में बना है। भारत से लगते बॉर्डर पर चीन ने उच्च तकनीक वाले उपकरण लगा रखे हैं। वह 72 सेटेलाइट के जरिए बॉर्डर पर सर्विलांस कर रहा है। भारत की ओर से उसके किसी भी तरह के दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब दिया जाता है।

चंद्रयान 3 की सफलता बहुत मायने रखती है

इंडियन स्पेस एसोसिएशन के डीजी ले.जनरल (रि) एके भट्ट ने एक सेमीनार में कहा था, चीन से लगती सीमा पर भी बड़ी संख्या में ऐसे ड्रोन की उपस्थिति बताई गई है, जिन्हें बिना दूरबीन के देखना संभव नहीं होता। दुश्मन के 'ड्रोन' का मुकाबला करने के लिए भारत को भी वैसी ही तकनीक इस्तेमाल करनी होगी। आज स्पेस डोमेन का संघर्ष है। परंपरागत लड़ाई के तरीकों की जगह आज 3डी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 5जी और क्वांटम तकनीक ने ले ली है। निजी सेटेलाइट का जमाना आ चुका है। मौजूदा समय में 92 देशों ने स्पेस में अपने सेटेलाइट उतार दिए हैं। खाड़ी देशों ने भी पैसे के बल पर यह स्थिति हासिल कर ली है। 'इसरो' आत्मनिर्भरता की राह पर है। मिलिट्री पॉजिशन, स्नूपिंग या आतंकियों की मदद में ड्रोन का प्रयोग होता है। चीन अपने मिलिट्री ड्रोन के जरिए जल, थल और वायु सटीक सर्विलांस करता है। इसके लिए उसने 72 सेटेलाइट तैयार किए हैं। युद्ध पोतों पर उसकी नियमित नजर रहती है। ऐसी स्थिति में चंद्रयान 3 की सफलता बहुत मायने रखती है।

अंतरिक्ष की मैपिंग के क्षेत्र में होंगे बड़े परिवर्तन

पूर्व वैज्ञानिक एवं प्रमुख रेडियो कार्बन डेटिंग लैब, बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान, लखनऊ डॉ. सीएम नौटियाल के मुताबिक, चंद्रयान 3 मिशन की सफलता से 'स्पिन ऑफ' यानी कई तरह की दूसरी टेक्नीक विकसित होंगी। उद्योगों में उन वस्तुओं और तकनीक का भरपूर इस्तेमाल होता है। नए पदार्थ, यूनिट और सॉफ्टवेयर आदि विकसित होते हैं। नासा ने भी इस तरह की सफल लॉचिंग के बाद विभिन्न उपकरणों और तकनीक का उपयोग उद्योगों में किया है। इसकी सफलता पर हर कोई गर्व करेगा। लॉचिंग क्षमता, पे लोड उपलब्धि और सुरक्षा के मोर्चे पर, भारत की ताकत बढ़ जाएगी। भारत की मिसाइल तकनीक में एक बड़ी मदद मिलेगी। उपग्रह भेजने के लिए भारत की क्षमता बढ़ेगी। मौसम की सटीक भविष्यवाणी करना आसान होगा। भारी उपग्रह भेजने की क्षमता में अपेक्षित सुधार आएगा। इसके अलावा अंतरिक्ष की मैपिंग के क्षेत्र में भी बड़े परिवर्तन देखने को मिलेंगे। प्राकृतिक संसाधनों की मैपिंग भी आसान हो जाएगी।

प्रदूषण मुक्त ऊर्जा पैदा हो सकेगी

चंद्रमा पर हीलियम–3 की मौजूदगी है। इसकी अच्छी खासी क्षमता है। अगर इसका इस्तेमाल हुआ तो दुनिया में ऊर्जा का संकट टल जाएगा। डॉ. सीएम नौटियाल बताते हैं, परमाणु रिएक्टरों में हीलियम–3 का इस्तेमाल करने से रेडियोएक्टिव 'कचरा' पैदा नहीं होता। सूरज से आने वाली किरणें 'सौर पवन', चंद्रमा की मिट्टी में घुसी हुई हैं। इसके चलते वहां हीलियम–3 की मात्रा बढ़ती रहती है। हीलियम–3, नाभकीय संलयन के लिए इंधन का काम करेगा। यह हीलियम–4 से ज्यादा कुशल होता है। इसके जरिए ज्यादा एनर्जी विकसित होती है। पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय तापनाभिकीय प्रायोगिक संयंत्र 'आईटीईआर' का प्रयोग हो रहा है। इसमें नाभकीय संलयन पर काम चल रहा है। इसके माध्यम से प्रदूषण मुक्त ऊर्जा पैदा हो सकेगी। भले ही उसमें एक दो या दो दशक का समय लगे। दुनिया के तमाम देशों की इस ओर निगाहें हैं। 'चंद्रयान–3' की सफलता का भू राजनीतिक महत्व है। इसकी कामयाबी के बाद हमें दूसरे ग्रहों पर जाने के लिए एक स्टेशन मिल जाएगा। अभी तक पृथ्वी से ही यह सब होता है। चंद्रयान 3 की कामयाबी हमें पृथ्वी के बाहर एक स्टेशन बनाने का अवसर देगी। चंद्रमा पर एक प्रयोगशाला बना सकेंगे। साथ ही चंद्रयान 3 की कामयाबी, देश को हैवी मिसाइल दागने के लिए एक विश्वसनीय प्लेटफार्म उपलब्ध कराएगी। जब भारत में 'पे लोड' की क्षमता बढ़ेगी तो दुनिया के कई देश अपने उपग्रहों की लॉचिंग के लिए भारत से संपर्क करेंगे। इससे भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कमाने के नए दरवाजे खुल जाएंगे।

कोटद्वार व खटीमा में ईएसआई हॉस्पिटल खुलेंगे, केंद्र राजी–सीएम

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में उद्यमियों से बेहतर सम्बन्ध तथा श्रमिकों का उनके हित में संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिये जाने पर ध्यान देने के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि उद्यमियों एवं श्रमिकों के अच्छे संबंधों से राज्य में औद्योगिक वातावरण के सृजन तथा व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने श्रम सहिंताओं के व्यवहारिक क्रिय्रान्वयन पर ध्यान देने को कहा है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय में सशक्त उत्तराखण्ड@25 के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए श्रम विभाग द्वारा तैयार की गई अल्प, मध्य एवं दीर्घकालिक रोडमैप की समीक्षा करते हुए व्यापार के सरलीकरण हेतु अनावश्यक रूप से निरीक्षण की व्यवस्था को कम करने पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से कार्य करने वालो को पूरा संरक्षण दिया जाए।मुख्यमंत्री ने असंगठित कामगारों के पंजीकरण तथा उन्हें भी संचालित विभिन्न योजनाओं के एकीकरण के साथ लाभ दिये जाने की भी योजना अमल में लाए जाने की बात कही। उन्होंने उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के माध्यम से श्रमिकों एवं कामगारों को दी जाने वाली सुविधाओं के व्यापक प्रचार प्रसार पर भी ध्यान देने को कहा ताकि अधिक से अधिक श्रमिकों को लाभान्वित किया जा सके।

सीएम धामी ने किया एक देश संकल्प गौमाता राष्ट्रधर्म महोत्सव में प्रतिभाग

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सायं बन्नू स्कूल, देहरादून में आयोजित ह्य एक देश संकल्प गौमाता राष्ट्रधर्म ह्लमहोत्सव में प्रतिभाग किया तथा कथा व्यास श्री गोपाल मणि का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मां गंगा, गौमाता और श्रीमद् भगवत गीता जैसे ग्रन्थों से हम सबको प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से उपस्थित गौमाता के संरक्षण से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौमाता को ऐसा दर्जा है जिसके दूध का कर्ज हम कभी नहीं भूला सकते। इनके दूध से दही, मक्खन जैसे खाने के पदार्थ बनते है एवं खाने–पीने के अन्य पकवानों में भी इनका उपयोग होता है। गौमाता के दूध का उपयोग नवजात शिशु के पालन पोषण के साथ–साथ वयस्क लोगों के भी उपयोग में आता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका सौभाग्य है कि आज गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्मदिन है तथा इस अवसर पर उन्हें गौसंरक्षण जैसी मुहिम से जुड़ने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम में उपस्थित लोग किसी के बुलाने पर नहीं आए है, बल्कि वह भगवान के बुलाने पर यहां आए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी धार्मिक संस्कृति के अनुसार गौ माता को पूरे संसार की माता का दर्जा दिया गया है। परन्तु समय के साथ–साथ कुछ लोगों द्वारा गौमाता और उनसे संबंधित मनुष्यों के उपयोग में आने वाली सामग्री जैसे गोबर, गौमूत्र का मजाक बनाकर रख दिया है। हमारी सरकार भी गौ संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और उसके लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं लागू की गई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारे देश में जितने भी तीर्थ स्थान है, उनके पुनर्निर्माण के लिए तेजी से किये जा रहे है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, केदारनाथ पुनर्निर्माण और आने वाले समय में अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में धर्मांतरण कानून लागू किया गया है। इसी के तहत लव जिहाद और लैंड जिहाद में भी अगर कोई दोषी पाया गया, तो उसके खिलाफ भी सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सीएम के पूर्व ओएसडी समेत पांच पर एक और केस दर्ज

देहरादून। सरकारी टेंडर दिलाने के नाम पर ठगी के मामले में एक और मुकदमा दर्ज हुआ है। इसमें मुख्यमंत्री के पूर्व पीएस समेत पांच लोगों को नामजद किया गया है। इन पर सोलर गीजर, इलेक्ट्रिकल लैब उपकरण, उच्च शिक्षा प्रोजेक्ट के टेंडर दिलाने के नाम पर पंजाब के कारोबारी से 1.02 करोड़ लेने का आरोप है। डीजीपी कार्यालय में की गई शिकायत के आधार पर शहर कोतवाली पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज किया है। 10 अगस्त को भी इस गैंग के खिलाफ पटियाला के भाजपा नेता ने सरकारी टेंडर दिलाने के नाम पर 3.42 करोड़ रुपये हड़पने का मुकदमा दर्ज कराया था। शहर कोतवाल राकेश गुसाईं ने बताया कि इस बार रजत परासर निवासी गुरुनानक नगर पटियाला ने तहरीर दी है। इसमें मुख्यमंत्री के पूर्व पीएस प्रकाश चंद्र उपाध्याय निवासी कलिंगा विहार माजरी माफी, सौरव शर्मा उर्फ सौरभ वत्स, उसकी पत्नी नंदिनी वत्स निवासी जौलीग्रांट एयरपोर्ट रोड, शहरूख खान और करनवीर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि इन्होंने उत्तराखंड में अलग–अलग सरकारी विभागों में टेंडर दिलाने का झांसा दिया और इस एवज में 1.02 करोड़ रुपये हड़प लिए और उन्हें टेंडर नहीं मिले। आरोप है कि रकम वापस मांगने पर धमकियां दी जा रही हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पंजाब के भाजपा नेता ने करवाया था संपर्कः मुकदमा दर्ज कराने वाले रजत परासर ने बताया कि पीसी उपाध्याय से उनकी मुलाकात पटियाला जिले के भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव कुमार के माध्यम से मुलाकात हुई थी। 10 अगस्त को संजीव कुमार देव ने भी सरकारी टेंडर दिलाने के नाम पर रकम हड़पने का मुकदमा इस गैंग पर कराया था।प्रोजेक्ट पाने के लिए की मेहमानबाजीः आरोप है कि मुख्यमंत्री का पीएस होने के नाते पीसी उपाध्याय ने भरोसा दिया कि वह उन्हें काम दिलवा देंगे।

थराली में नदी का पानी मकानों में घुसा

चमोली। थराली में इस बरसात सीजन में पिंडर नदी ने तीसरी बार रौद्र रूप दिखाया है। लगातार हो रही बारिश के कारण पिंडर नदी का जल स्तर बढ़ गया जो थराली बाजर में कुछ मकानों एवं पिंडर पब्लिक स्कूल में घुस गया। थराली बाजार के राड़ीबगड़, केदार बगड़, अपर बाजार, थराली मुख्य बाजार, मस्जिद मार्केट, एसबीआई मार्केट सहित सिमलसेन के नदी किनारे बसे लोगों को पुलिस एव प्रशासन की टीम ने अलर्ट रहने को कहा है। प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए लोगो को नदी के किनारों एव नालो के आस पास न जाने को कहा है। आपदा प्राधिकरण चमोली की रिपोट के अनुसार थराली में 35 मीमी.वर्षा रिकार्ड की गई है।

ऋषिकेश—गंगोत्री हाईवे दिनभर रहा बंद

ऋषिकेश। भूस्खलन के चलते पहाड़ का सफर मुश्किल हो गया है। बुधवार को ऋषिकेश–गंगोत्री हाईवे दिनभर बंद रहा। जबकि ऋषिकेश–बदरीनाथ हाईवे आठ घंटे बाद छोटे वाहनों के लिये खुल पाया। ऋषिकेश–नीलकंठ मोटरमार्ग पर भी कई स्थानों पर मलबा आने से वाहनों की आवाजाही बाधित रही। भारी बारिश के साथ भूस्खलन के चलते तड़के 4 बजे ऋषिकेश–गंगोत्री हाईवे कुंजापुरी, आगराखाल, खाड़ी के पास धंस गया है। हाईवे पर पहाड़ से लगातार मलबा भी गिर रहा है। बुधवार को करीब चार जेसीबी लगाकर हाईवे खोलने का प्रयास किया गया। लेकिन तेज बारिश के चलते मलबा नहीं हटाया जा सका। अब गुरुवार को ही गंगोत्री हाईवे खुलने की संभावना है। ऋषिकेश–बदरीनाथ हाईवे भी बुधवार सुबह 8.30 बजे तोताघाटी, व्यासी और गूलर के पास मलबा आने से बाधित हो गया। करीब 4.30 बजे हाईवे छोटे वाहनों के लिये ही बदरीनाथ हाईवे खुल पाया है। दोनों हाईवे बाधित होने से लोकल सवारियों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। वाहनों की आवाजाही बाधित होने से नौकरीपेशा वालों को अधिक दिक्कतें आईं। उधर, नीलकंठ मोटर मार्ग पर भी सुबह 8 बजे कई स्थानों पर मलबा आने से वाहनों की आवाजाही ठप हो गई। इससे यमकेश्वर क्षेत्र के सैकड़ों गांवों का संपर्क ऋषिकेश से कटा रहा।

एक नजर

चन्द्रयान–3 की सफलता के लिए केदारनाथ में महाभिषेक

रुद्रप्रयाग। देशभर में चन्द्रयान–3 के चांद पर सफल प्रक्षेपण के लिए भगवान से प्रार्थनाएं की जा रही हैं। प्रार्थनाओं का यह दौर उत्तराखंड के धामों में भी किया गया। विशेष रूप से केदारनाथ धाम में बदरी–केदार मंदिर समिति ने बाबा केदार का महाभिषेक पूजन कर चन्द्रयान–3 के सफल प्रक्षेपण की प्रार्थना की। केदारनाथ धाम में सुबह पूजा अर्चना के साथ ही चन्द्रयान–3 की सफलता के लिए बाबा केदार की विशेष पूजा अर्चना की गई। बदरी–केदार मंदिर समिति के कार्याधिकारी आरसी तिवारी द्वारा बाबा केदार का महाभिषेक पूजन किया गया। इस दौरान वेदपाठी, आचार्यों द्वारा वेद मंत्रों की ध्वनियों के साथ भगवान केदारनाथ से देश की तरक्की के लिए प्रार्थना की गई। प्रार्थना की गई कि चन्द्रयान–3 का चांद पर सफल प्रक्षेपण हो और देश के वैज्ञानिकों के साथ ही हर देशवासी को गौरवान्वित होने का अवसर मिल सके। इस दौरान यहां पहुंचे तीर्थयात्रियों ने भी बाबा केदार से चन्द्रयान की सफलता के लिए प्रार्थना की।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 पुलिस कर्मी होंगे सम्मानित

रुद्रप्रयाग। जनपद में पुलिस महकमें में विभिन्न स्थितियों में बेहतर और उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 पुलिस कर्मियों को पुलिस अधीक्षक सम्मानित करेंगी। पुलिस अधीक्षक ने विभाग में इसी तरह अन्य पुलिस कर्मियों को भी बेहतर कार्य करने की नसीहत दी। पुलिस अधीक्षक डॉ विशाखा अशोक भदाणे ने कहा कि केदारनाथ और मदमहेश्वर में विभिन्न परिस्थितियों में रेस्क्यू कर यात्रियों को सकुशल लाने वाले 11 पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही थाना गुप्तकाशी में पंजीकृत गुमशुदा की बरामदी करने पर 2 पुलिस कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पारितोषिक से सम्मानित किया जाएगा। बीती 13 अगस्त को भारी बारिश से मद्महेश्वर और केदारनाथ में कई यात्री मुश्किलों में फंस गए थे ।

डीएम ने किया ऋषिकेश में जल भराव वाले क्षेत्र का निरीक्षण

ऋषिकेश। बरसाती पानी की निकासी नहीं होने से लोग परेशान हैं। लोगों का कहना है कि कई दिनों से हुए जलभराव से घरों की नींव अब कभी भी जवाब दे सकती है। पानी नहीं निकलने से अब हर वक्त डर लग रहा है। बुधवार को लोग डीएम के पहुंचने पर बोले, मैडम प्लीज आप किसी भी तरह से पानी की निकासी का फौरी इंतजाम करा दीजिए। अभी निकासी की वैकल्पिक व्यवस्था हो जाए, स्थायी व्यवस्था बाद में देख लिजिएगा। बुधवार दोपहर शहर और आसपास के इलाकों में जलभराव से प्रभावित लोगों का हाल जानने पहुंचीं डीएम सोनिका को निरीक्षण में यह सब सुनने को मिला। उन्होंने सबसे पहले गंगानगर में जलभराव की स्थिति देखी। कई दिनों से आबादी में जमा पानी को देखकर वह भी हैरान नजर आई। नगर निगम के अधिकारियों से पूछा कि, अभी तक पानी की निकासी क्यों नहीं हुई। अत्याधिक बारिश की दलील देते हुए निगम के अधिकारियों ने पंप से निकासी के अस्थायी इंतजाम की बात कही। यहां से निकलकर डीएम शिवाजीनगर और फिर निर्मल ब्लॉक व आमबाग क्षेत्र में पहुंची। कई स्थानों पर उन्हें आबादी में कमर तक पानी भरा नजर आया। डीएम के पहुंचने की सूचना पर पहले से ही प्रभावित परिवार सड़क पर खड़े दिखे। उन्होंने डीएम को बरसात में लगातार जलभराव के हालातों से रूबरू कराया। बरसाती पानी की निकासी के लिए फौरन इंतजाम करने की गुहार लगाई।

बोले, इसमें देरी हुई, तो कई भवन जमींदोज हो जाएंगे। डीएम ने प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद सिंचाई विभाग, पीडब्ल्यूडी और नगर निगम समेत संबंधित अधिकारियों को बरसाती पानी की निकासी के इंतजाम अतिशीघ्र कराने के सख्त निर्देश दिए। दो टूक कहा कि, लापरवाही बरती गई, तो जिम्मेदार अधिकारी कड़ी कार्रवाई झेलने को तैयार रहे। निरीक्षण में एसडीएम योगेश सिंह मेहरा, नगर आयुक्त राहुल गोयल, पीडब्ल्यूडी के एई संजय चौहान, सिंचाई विभाग के एसडीओ अनुभव नौटियाल, सहायक नगर आयुक्त रमेश रावत आदि शामिल रहे।

कारोबारी की दुकान से सोना गायब करने में कारगीर समेत तीन धरे

देहरादून। ज्वेलरी कारोबारी की दुकान से 230 ग्राम सोना चोरी होने के मामले में शहर कोतवाली पुलिस ने दो कारीगर समेत तीन आरोपी गिरफ्तार किए हैं। आरोपियों से चोरी किया गया सोना बरामद हुआ। जिसकी कीमत करीब 13 लाख रुपये बताई गई है। डीआईजी देहरादून दलीप सिंह कुंवर ने मंगलवार दोपहर अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता की। उन्होंने बताया कि चोरी को लेकर धामावाला बाजार के कारोबारी अजय वर्मा ने केस दर्ज कराया। कहा कि 19 अगस्त को वह सुबह 10 बजे दुकान पर पहुंचे। देखा तो कारीगर सोमनाथ अधिकारी गायब था। उसे गहने बनाने को दिया गया 230 ग्राम सोना भी गायब था। सोमनाथ अधिकारी की तलाश में उसके फोन नंबर की सीडीआर जांची गई। चोरी की वारदात के बाद सोमनाथ ने मुम्बई के कुछ फोन नम्बरों पर लगातार संपर्क में था। घटना की शाम दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के पास जाकर उसका फोन बंद हो गया। पुलिस टीम को दिल्ली रवाना किया गया। सोमवार को पता लगा कि सोमनाथ मुंबई से दिल्ली पहुंच कर एक साथी संग भागने की फिराक में है। इस दौरान ही उसे निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान उसे मुंबई से लेने आया साथी दीवाकर पाल भी पुलिस के हत्थे चढ़ा। दोनों से 200 ग्राम सोना बरामद हुआ है। पूछताछ में पता लगा कि चोरी में अजय की दुकान में काम करने वाला दूसरा कारीगर राजीव सामंतों भी शामिल था। उसे पुलिस ने दून पहुंचने पर गिरफ्तार किया। जिसने किसी को चोरी के बारे में न बताने की बात कहते हुए 30 ग्राम सोना लिया था। खुलासे करने वाली टीम को डीआईजी ने बीस हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की।

आर्थिक तंगी में था सोमनाथः पुलिस के मुताबिक सोमनाथ अधिकारी मार्च 2023 से अजय वर्मा के यहां सोने की कारीगरी का काम कर रहा था। अजय वर्मा ने जून माह जो सोना आरोपी को दिया, उसमें बीस ग्राम कम सोने के गहने उसने वापस किए थे। 20 ग्राम सोना बेचकर उससे मिली रकम को अपने घर भिजवाया था। बताया कि घर वाले आर्थिक तंगी में थे। इस बीस ग्राम सोने को वह वापस नहीं कर पा रहा था। इसलिए उसने दुकाने से सोना लेकर भागने की योजना बनाकर उसे अंजाम दिया। आरोपी दिल्ली से मुंबई भागने की तैयारी में था।

ये हुए गिरफ्तारः

–सोमनाथ अधिकारी उम्र 23 पुत्र सपन अधिकारी निवासी गुरंगपुर, नागुलपारा थाना खानाखुल जिला हुगली, पश्चिम बंगाल।

–दीवाकर पाल उम्र 28 पुत्र रतनपाल निवासी श्रीरामपुर, तायबा थाना खानाखुल जिला हुगली, पश्चिम बंगाल।

मिशन चंद्रयान के लिए प्रेमनगर मंदिर में हुई प्रार्थना

देहरादून। भारत के महत्वाकांक्षी मिशन मून चंद्रयान–3 की सफलता के लिए प्रेमनगर स्थित सनातन धर्म मंदिर में स्थानीय निवासियों ने विशेष पूजा अर्चना की। देर शाम मिशन का काउंटडाउन शुरू होने से पूर्व ही पूजा प्रारंभ हो गई थी। सनातन धर्म मंदिर समिति व श्री महावीर सेवा समिति पदाधिकारियों ने सफल मिशन के लिए वैज्ञानिकों को बधाई दी। श्री महावीर सेवा समिति अध्यक्ष रविन्द्र माकिन ने इस अभियान को मुकाम तक पहुंचाने वाले इसरो वैज्ञानिकों को बधाई दी।

पुरानी पेंशन बहाली को घंटी बजाओ अभियान तेज

देहरादून। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के बैनर तले सांसद आवास के बाहर घंटी बजाओ अभियान तेज कर दिया गया है। कर्मचारियों ने राज्यसभा सांसद नरेश बंसल के आवास के बाहर घंटी बजा कर पुरानी पेंशन बहाली की मांग की। बुधवार को कर्मचारियों ने बसंल के लक्ष्मण चौक स्थित आवास पर घंटी बजा कर उन्हें पुरानी पेंशन बहाली को ज्ञापन सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष जीतमणि पैन्यूली और महासचिव मुकेश रतूड़ी ने कहा कि सालों से कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाल की मांग को लेकर आंदोलन चला रहे हैं। देहरादून से लेकर दिल्ली समेत हर राज्य में कर्मचारी आंदोलनरत हैं। सड़कों पर कर्मचारी अपनी ताकत दिखा रहे हैं। कर्मचारियों की एकजुटता से कई राज्यों में सरकार बदली है। इस हकीकत को आगामी लोकसभा चुनाव के लिहाज से भी ध्यान में रखा जाए।

सांसद नरेश बंसल ने आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की समस्याओं को उचित प्लेटफॉर्म पर रखा जाएगा। अभियान में वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगमोहन सिंह रावत, शान्तनु शर्मा,पारूल थपलियाल, सुदेशना मेहर, देवेन्द्र कण्डारी, पंचम सिंह बिष्ट मौजूद रहे।

केदारनाथ तीर्थपुरोहितों को मिलने लगा व्यावसायिक क्षतिपूर्ति मुआवजा

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में मास्टर प्लान से हो रहे निर्माण में अधिग्रहित किए गए भवन स्वामियों को शासन के निर्देशों के अनुसार प्रशासन व्यवसायिक क्षतिपूर्ति मुआवजा दे रहा है। कपाट खुलने की तिथि से लेकर 30 जून तक के लिए प्रशासन ने अभी 16 भवन स्वामियों को चैक के माध्यम से कुल 13586400 (एक करोड़ पैंतीस लाख छियासी हजार चार सौ रुपये) की धनराशि वितिरित की है। केदारनाथ धाम में मास्टर प्लान से हो रहे निर्माण में कई भवन स्वामियों (तीर्थपुरोहित) के भवन अधिग्रहित किए जा रहे हैं। ताकि यहां सुनियोजित विकास किया जा सके। ऐसे भवन स्वामियों को यात्रा सीजन के दौरान व्यवसाय से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए शासन द्वारा व्यवसायिक क्षतिपूर्ति मुआवजा दिया जा रहा है। इस साल कपाट खुलने की तिथि 25 अप्रैल से 30 मई तक के लिए कुल 31 भवन स्वामियों में से 16 भवन स्वामियों को जिलाधिकारी के निर्देशों पर एसडीएम ऊखीमठ द्वारा व्यावसायिक क्षतिपूर्ति मुआवजे के रूप में चेक के माध्यम से 13586400 की धनराशि वतिरित की गई।

सेमवाल बने अगस्त्यमुनि ग्रामीण मंडल के सह प्रभारी

रुद्रप्रयाग। भारतीय जनता पार्टी रुद्रप्रयाग के जिला प्रभारी ऋषि कंडवाल एवं सह प्रभारी रघुवीर सिंह बिष्ट की सहमति पर जिला कार्यसमिति सदस्य अनूप सेमवाल को अगस्त्यमुनि ग्रामीण मंडल का सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। भाजपा जिलाध्यक्ष महावीर पंवार ने अनूप सेमवाल को विधिवत जिम्मेदारी दे दी है। उन्होंने अपेक्षा की इससे बूथ सशक्तिकरण अभियान में उनके द्वारा अहम योगदान दिया जाएगा। इधर, अनूप सेमवाल ने उन्हें पार्टी में उक्त जिम्मेदारी देने पर प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, जिला प्रभारी ऋषि कंडवाल, सह प्रभारी रघुवीर बिष्ट एवं जिलाध्यक्ष महावीर पंवार का आभार व्यक्त किया है।

चंद्रयान—3 की सफल लैंडिंग पर राज्यपाल गुरमीत सिंह ने दी सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने समस्त देशवासियों व भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(कर-फड) की संपूर्ण टीम को चंद्रयान–3 की सफल लैंडिंग हेतु हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व उपलब्धि भारतीय वैज्ञानिकों की अंतरिक्ष अनुसंधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने पूरे विश्व का ध्यान भारत की ओर आकर्षित किया है। राज्यपाल ने कहा कि चंद्रयान–3 की इस सफलता से वैज्ञानिकों को चंद्रमा और अंतरिक्ष के गूढ़ रहस्यों को समझने में खासा मदद मिलेगी। राज्यपाल ने राजभवन में इस ऐतिहासिक उपलब्धि का लाइव प्रसारण भी देखा।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने लिए खाद्य पदार्थों के सैंपल, कार्रवाई की दी चेतावनी

कोटद्वार : रक्षाबंधन त्योहार को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से शहर में खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए गए। अभियान के दौरान दस सैंपल लेकर उन्हें जांच के लिए भेजा गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप मिश्रा के नेतृत्व में देवी रोड, बालासौड़ क्षेत्र में अभियान चलाया गया। टीम ने होटल व रेस्टोरेंट में पहुंचकर मसाले, अजवाईन, नूडल, मिठाई सहित अन्य खाद्या पदार्थों के सैंपल लिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक है। ऐसे में खाद्या पदार्थों में किसी तरह की मिलावट न हो इसके लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पिछले एक सप्ताह में वह तीस से अधिक सैंपल जांच के लिए भेज चुके हैं। अभियान के दौरान खाद्य पदार्थ बेचने वालों को साफ-सफाई के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। कहा कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

पग-पग पर दरक रही पहाड़ी, दूसरे दिन भी बंद रहा कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग

मंगलवार को हुई तेज बारिश से पांच से अधिक स्थानों पर आया था भारी मलबा व बोल्डर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पहाड़ की लाइफ लाइन कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग वर्षाकाल में एक चुनौती बन गया है। हल्की बारिश में ही पग-पग पर पहाड़ी दरक कर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ रही है। लगातार जेसीबी व पोकलैंड मशीनों से मलबा व बोल्डर हटाने के बाद भी मार्ग बुधवार को दूसरे दिन भी वाहनों की आवाजाही के लिए नहीं खुल पाया।

कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग को पहाड़ की लाइफ-लाइन कहा जाता है। यहीं से पहाड़ के लिए खाद्य पदार्थ सहित अन्य सामग्री भारी वाहनों से पहुंचाई जाती है। लेकिन, वर्षा काल में हुई अतिवृष्टि ने इस लाइफ लाइन को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। 13 अगस्त की अतिवृष्टि के बाद राष्ट्रीय

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य भारी मलबे के बीच से होकर गुजरते राहगिर

राजमार्ग विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग को वाहनों की आवाजाही के लिए खोला लेकिन, मंगलवार सुबह हुई बारिश से राष्ट्रीय राजमार्ग एक बार फिर बंद हो गया था। मार्ग पर पांच से अधिक स्थानों पर भारी मलबा व बोल्डर आ गया। हालांकि राष्ट्रीय राजमार्ग जेसीबी व पोकलैंड मशीनों से मार्ग का मलबा व बोल्डर हटाने के प्रयासों में जुटा हुआ है। लेकिन, स्थिति बुधवार को भी सामान्य नहीं हो पाई। अब भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी मलबा व बोल्डर पड़ा हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अपर सहायक अभियंता अरविंद जोशी ने बताया कि पोकलेंड व जेसीबी की मदद से मलबा व बोल्डर हटाने का प्रयास किया जा रहा है।

चंद्र प्रकाश नैथानी अध्यक्ष व शशिभूषण अमोली बनें महासचिव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : साहित्यिक संस्था साहित्यांचल संस्था की ओर से अपनी पुरानी कार्यकारणी को भंग कर नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। जिसमें चंद्रप्रकाश नैथानी को अध्यक्ष व शशिभूषण अमोली को महासचिव नियुक्त किया गया। इस दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

नजीबाबाद रोड स्थित एक बारात घर में चुनाव संपन्न करवाए गए। चुनाव अधिकारी डॉ. ख्यात सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुए चुनाव में उपाध्यक्ष अनुसूया प्रसाद डंगवाल, सचिव प्रवेश चंद्र नवानी को नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संस्था के हित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर चंक्रधर शर्मा, जनार्दन बुड़ाकोटी, श्याम प्रसाद कोटनाला, अमित नैथानी, डॉ. दिवाकर बेबनी मौजूद रहे।

उच्च शिक्षा निदेशक ने किया महाविद्यालय का निरीक्षण

कोटद्वार महाविद्यालय में अतिथियों का स्वागत करती प्राचार्य जानकी पंवार

कोटद्वार : उच्च शिक्षा निदेश-ाक व उपनिदेशक की ओर से राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार का निरीक्षण किया गया। महाविद्यालय में उच्च शिक्षा निदेशक प्रोफेसर सीडी सूंठा व उपनिदेशक डा. गोविंद पाठक द्वारा महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर जानकी पंवार ने उन्हें पुष्प गुच्छ व शाल देकर स्वागत किया। प्राचार्य ने कहा कि उच्च शिक्षा निदेशक व उपनिदेशक को महाविद्यालय की उपलब्धियां व गतिविधियों से अवगत करवाया गया। उपनिदेशक प्रो. गोविंद पाठक ने महाविद्यालय को 20 मॉडल कॉलेज के अंतर्गत चयनित किए जाने विषय में बताया। निदेशालय स्तर पर विभागों में अन्य सुविधाएं देने के लिए आश्वासन दिया गया। उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. डीसी सुंठा ने अपने उद्बोधन से महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी गणों को अपने महाविद्यालय में होने वाले नैक प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की उपयोगी जानकारी दी। इस मौके पर डा. सुषमा थलेडी, बीएड के विभाग प्रभारी प्रो. आरएस चौहान, एमडी कुशवाहा, प्रो. पीएन यादव, प्रो. आदेश कुमार, प्रो. आशा देवी, डॉ. अभिषेक गोयल, डॉ. प्रवीण जोशी आदि मौजूद रहे।

अवैध अतिक्रमण पर गरजी जेसीबी, सड़क से हटाया पक्का निर्माण

प्रशासन, लोक निर्माण विभाग व पुलिस ने देवी मंदिर तिराहा से हटाया अतिक्रमण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लोक निर्माण विभाग, प्रशासन व पुलिस की ओर से देवी मंदिर तिराह से बालासौड़ चौराह व बलदभद्रपुर क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण हटाया गया। टीम ने सड़क किनारे बनाए गए पक्के निर्माण को जेसीबी से ध्वस्त किया। इस दौरान टीम ने अतिक्रमणकारियों को दोबारा अतिक्रमण न करने की सख्त हिदायत दी।

उच्च न्यायालय के निर्देश पर बुधवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। प्रशासन ने भारी पुलिस फोर्स के साथ मिलकर देवी मंदिर तिराहे से लेकर बालासौड़ व बलभद्रपुर क्षेत्र में सड़क किनारे बने पक्के निर्माण को ध्वस्त किया। मौके पर मौजूद लोगों व व्यापारियों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का विरोध भी किया। लेकिन, सरकारी सिस्टम की सख्ती के आगे उनकी एक न चल सकी। कई लोगों ने प्रशासन पर अभियान चलाने से पूर्व उन्हें नोटिस नहीं देने का भी आरोप लगाया। कहा कि प्रशासन आमजन का उत्पीड़न कर रहा है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता डीपी सिंह ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई है। कई व्यापारियों व भवन स्वामियों ने सड़क पर सीढ़ी व अन्य पक्का निर्माण करवाया था। वहीं, बदभद्रपुर मार्ग पर भी एक दर्जन से अधिक पक्के निर्माणों को ध्वस्त किया गया।

कोटद्वार के बालासौड़ क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त करती प्रशासन की जेसीबी

एनएच से दुकानों को जेसीबी से हटाया

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : श्रीनगर रोड पर उद्यान विभाग के पास एनएच पर बनाई गई दुकानों को जेसीबी की मदद से हटा दिया गया। कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकानें खुद ही हटा ली थी।

प्रशासन ने स्थानीय दुकानदारों को दुकान खाली करने के लिए दो दिन का समय दिया था। बुधवार को प्रशासन ने जेसीबी की मदद से श्रीनगर रोड पर स्थित दुकानों को हटा दिया। यहां पर जिला प्रशासन द्वारा पिछले करीब 33 साल पहले ये दुकाने आवंटित की गई थी। कुछ दुकानों का किराया नगर पालिका तो कुछ दुकानों का किराया समाज कल्याण विभाग ले रहा था। कोर्ट के आदेश बाद बुधवार को जिला प्रशासन ने जेसीबी की मदद से इन दुकानों को हटा दिया।

कलश स्थापना के साथ शुरू हुआ शिव महापुराण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत सुखरो देवी मंदिर में आंदोलनकारी व समाज सेवी स्व. सुधा सती की स्मृति में शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ शुरू हो गया है। नौ दिनों तक चलने वाले शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ कलश स्थापना से किया गया। कथा वाचक आचार्य राकेश लखेड़ा ने शिव महापुराण कथा का वाचन किया। उन्होंने कहा कि शिव पुराण में भगवान शिव शंकर कहते हैं कि संसार में सबसे बड़ा धर्म सत्य है तथा असत्य सबसे बड़ा अधर्म है। कहा कि भगवान शंकर वैराग्य व त्याग की प्रतिमूर्ति है। भगवान शिव का परिवार भी विलक्षण ही है। वर्तमान में जहां एक ओर परिवारों में आपसी खटपट की घटनाएं होती रहती है तथा परिवारों में बैमनस्य व विखराव की स्थितियां पैदा हो रही है। वहीं विभिन्नताओं के बावजूद भी भगवान शिव का पूरा परिवार एकजूटता के सूत्र में बंधा हुआ है। भगवान शिव के एक पुत्र का वाहन मूषक है तो दूसरे पुत्र का वाहन मोर है। जबकि भगवान शंकर की पत्नी पार्वती का वाहन सिंह है तथा स्वंय शिव का वाहन वृषभ है। उनका वेश भी दिगंबर है। कहा सभी के परमपिता तो भगवान शिव ही है। उनकी महिमा अनंत है। उनकी कृपा के बगैर इस पृथ्वी पर कुछ भी संभव नहीं है। इस मौके पर लोगों ने कथा श्रवण कर पुण्य का लाभ कमाया।

सायं 6 से 9 बजे तक चलेगा चेकिंग अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने अफसरों को शाम 6 से 9 बजे तक अनिवार्य रूप से चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। डीएम ने अफसरों को लाइसेंस निरस्तीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बुधवार को जिला सभागार में डीएम डा. आशीष चौहान ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली। इस दौरान सामने आया कि शाम 6 से 9 बजे के बीच शराब पीकर वाहन संचालित होने से अधिक सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। जिस पर डीएम ने पुलिस और परिवहन विभाग को इस समय पर चेकिंग अभियान में तेजी लाने, एल्कोमीटर की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। अफसरों ने बताया कि अगस्त में अभी तक कुल 8 सड़क दुर्घटनाओं में 7 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। डीएम ने पुलिस विभाग, एसडीएम व परिवहन विभाग के अफसरो को सड़क सुरक्षा के मानकों की अवहेलना करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। डीएम ने खतरनाक रूप से ड्राइविंग करने वालों, ओरवलोडिंग और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनके लाइसेंस निरस्तीकरण करने के निर्देश भी दिए।

युवाओं को सर्वोत्तम हासिल करने के लिए प्रेरित किया

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड श्रीनगर में नए प्रवेशित छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस मौके पर प्रो. अवस्थी ने कहा कि जैसे पैरों की मोच आगे बढ़ने नहीं देती वैसे ही व्यक्ति की संकीर्ण सोच विकास मार्ग को अवरूद्ध करके उसे आगे बढ़ने नहीं देती। कहा युवा इंजीनियरिंग स्नातक के रूप में आपको बहुत कुछ सीखना है। उन्होंने छात्रों को अच्छी आदतें और मूल्यों को अपनाकर अपनी क्षमता का सर्वोत्तम हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

प्रो. अवस्थी ने कहा कि बीटेक, एमटेक पाठ्यक्रम के अंतर्गत ज्ञान, नवप्रवर्तन और रचनात्मकता की इस यात्रा में शिक्षकों द्वारा समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए गए पाठ्यक्रम की अवधारणाओं और तरीकों के बारे में बहुत सी बातें सिखाई जाएंगी। जिससे आपके पास अपनी बौद्धिक और रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने के अपार अवसर होंगे। कहा कि राष्ट्र के निर्माता के रूप में युवाओं को अपनी सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत, सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं समाज की आवश्यकताएं जानना जरूरी है। तभी अपने समाज और राष्ट्र के लिए योगदान किया जा सकता है। कार्यक्रम में डीन अकादमिक द्वारा सभी छात्रों को संस्थान कि शैक्षणिक अध्यादेश एवं नियमावली का विस्तृत विवरण दिया गया। (एजेंसी)

शालिनी ने जीता तीज क्वीन का खिताब

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : एसएसपी पौड़ी श्वेता चौबे के निर्देश पर पुलिस लाइन पौड़ी में पुलिस परिवार की महिलाओं द्वारा हरियाली तीज कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर तीज क्वीन का ताज शालिनी को प्रदान किया गया। जबकि नृत्य प्रतियोगिता में महिला आरक्षी अनीता ने पहला, पिंकी रावत ने दूसरा व शालिनी ने तीसरा स्थान पाया। मेहंदी प्रतियोगिता में नीतू ने पहला, सोनम ने दूसरा व शालिनी ने तीसरा स्थान पाया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। एसएसपी ने कहा कि तीज पर्व पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कराया गया है। स्वागत गीत से शुरू हुए कार्यक्रम में मेहंदी प्रतियोगिता, गढ़वाली, कुमांऊनी लोकनृत्य प्रतियोगिता, रैंप वॉक, ग्रुप डांस, उत्तम परिधान, बेस्ट टैलेंट आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान एसएसपी ने कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजनों से महिलाओं के आत्मविश्वास व उनके सम्मान को बढ़ावा मिलता है। साथ ही यह अपने अंदर छुपी बहुमुखी प्रतिभाओं को पहचाने व उजागर करने का एक मंच भी है। इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है तो उसमें प्रतिभाग अवश्य करें। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी पौड़ी अपूर्वा पाण्डेय, सिविल जज (सीडि) पौड़ी नेहा कय्यूम, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पौड़ी प्रतिक्षा केशरवानी, आरटीओ पौड़ी अनीता चन्द आदि शामिल थे।

कुष्ठ आश्रम के प्रभावितों ने की टिन शेड बनाने की मांग

कोटद्वार : काशीरामपुर तल्ला में खोह नदी के उफान में बहे कुष्ठ आश्रम के मरीजों ने प्रशासन से उनके लिए टिन शेड बनाने की मांग की है। एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में कुष्ट आश्रम के मरीजों ने कहा कि 13 अगस्त की रात को खोह नदी में आई बाढ़ में उनका 12 कमरों का पूरा आश्रम बह गया है। वर्तमान में आश्रम के पास टेंट में रह रहे हैं। बारिश के साथ चल रही हवाओं के कारण टेंट उड़ जाता है। इससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जब तक उनका विस्थापन नहीं हो जाता उनके लिए टिन शेड बनाने की मांग की। एसडीएम सोहन सिंह सैनी ने कहा कि कुष्ठ आश्रम के लिए भूमि की तलाश की जा रही है। फिलहाल उनके लिए टिन शेड बनाने के निर्देश दे दिए गए हैं।

कोटद्वार महाविद्यालय में हुए वित्तीय अनियमितताओं की हो उच्चस्तरीय जांच

राजकीय स्नतकोत्तर महाविद्यालय छात्र संघ पदाधिकारियों ने भेजा निदेशालय को पत्र

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्र संघ पदाधिकारियों ने महाविद्यालय पर विभिन्न कार्यों के नाम पर वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया है। कहा कि महाविद्यालय ने निर्माण कार्यों के नाम पर एक बड़ा घोटाला किया है। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए उच्चस्तरीय टीम गठित की जानी चाहिए।

छात्रसंघ पदाधिकारियों ने महाविद्यालय पर निर्माण कार्य के नाम पर एक बड़ा भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में छात्रसंघ अध्यक्ष अंकुश घिल्डियाल व सचिव शुभम सुयाल ने उच्च शिक्षा निदेशालय को पत्र भेजा। उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पूर्व महाविद्यालय में करोड़ों की लागत से बहुद्देश्यीय हाल, बास्केटबाल कोर्ट सहित अन्य निर्माण करवाए गए थे। लेकिन, वर्तमान में यह निर्माण कार्य पूरी तरह बदहाल हो चुका है। करोड़ों की लागत से बना बहुद्देश्यीय हाल टपकने लगा है। कहीं न कहीं निर्माण कार्य में घटिया गुणवत्ता की सामग्री का प्रयोग किया गया है। कोरोना काल में जब महाविद्यालय बंद था, उसके बाद भी छात्र प्रतिनिधियों का अपव्यय किया गया है। साथ ही महाविद्यालय द्वारा प्राप्त शुल्क से अधिक का व्यय होना पूर्णतः भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। कहा कि शिक्षा के मंदिर में इस तरह का भ्रष्टाचार किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। यदि शीघ्र जांच के आदेश नहीं हुए तो महाविद्यालय में तालाबंदी कर आंदोलन किया जाएगा।

कोटद्वार महाविद्यालय प्रशासन की ओर से शिक्षा निदेशक को पत्र भेजते पदाधिकारी

जरूरतमंदों को बांटी खाद्य सामग्री

संवाददाता

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय लायंस क्लब श्रीनगर ने अलकनंदा नदी किनारे रह रहे झुग्गी-झोपड़ी वालों को बरसात और धूप से बचने के लिए तिरपाल, दाल, चावल, तेल, आटा सहित अन्य खाद्य सामग्री वितरित की। इस मौके पर क्लब के संरक्षक राजीव विश्नोई, अध्यक्ष वासुदेव कंडारी, महामंत्री दिनेश पटवाल एंव क्लब के पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र धिरवाण आदि मौजूद रहे। लाभान्वित होने वाले लोगों ने क्लब का आभार व्यक्त किया। (एजेंसी)

यमकेश्वर ब्लॉक के गांवों में गहराया पेयजल संकट

ऋषिकेश। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते जनपद पौड़ी के यमकेश्वर ब्लॉक में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। बारिश के पानी के साथ गांवों के संपर्क मार्ग बहने के साथ ही पेयजल लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई। घरों में संचित पानी भी अब खत्म हो रहा है। वहीं कई घर ढहने की कगार पर आ गए हैं। भारी बरसात के चलते यमकेश्वर ब्लॉक के गांव धमांद, चमनपुर, खरगोशा, दिउली, बंसटोला, इडिया और कोठार सहित आसपास के क्षेत्र के करीब 50 से अधिक गांवों में भूस्खलन से संपर्क मार्ग और पगडंडियां बह गई हैं। इसके चलते इन गांवों की पेयजल लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। ग्रामीणों द्वारा प्राकृतिक जलस्त्रोतों से संचित पेयजल भी अब खत्म होने की कगार पर है। इससे करीब 200 से अधिक परिवारों में पेयजल संकट गहरा रहा है। फिलहाल ग्रामीण पुलिस प्रशासन व किसी जानने वाले के सहयोग से पानी की बोतल का स्टॉक रख काम चला रहे हैं। लेकिन जगह–जगह मार्ग बंद होने पर कई गांव में पानी की बोतलें पहुंचाना भी पुलिस प्रशासन के लिए भारी पड़ रहा है। यमकेश्वर ब्लॉक के ग्रामसभा कोठार के ग्राम प्रधान नीरज पयाल ने बताया कि नीलकंठ मोटर मार्ग भी मलबा आ जाने से बंद है। बताया कि पहाड़ से आए मलबे से पाइपलाइनें और प्राकृतिक जलस्त्रोत भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। दिउली इंटर कॉलेज को जाने वाला मार्ग भी पूरी तरह बाढ़ के भेंट चढ़ गया। बारिश के चलते यमकेश्वर के कई गांव के घरों के नीचे बुनियाद की मिट्टी ढहने से मकान गिरने की नौबत आ गई है। ग्राम सभा इडिया में महिपाल पुत्र श्याम सिंह व ग्राम कोठार में सुरेन्द्र सिंह पुत्र संतराम, धीरज पुत्र रोशन सिंह व रतन चन्द्र पुत्र फूल चन्द्र के घर खतरे की जद में है। प्रशासन ने इन घरों को खाली करवा दिया है।

खेल दिवस पर होंगी बैडमिंटन प्रतियोगिताएं

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला खेल कार्यालय द्वारा खेल दिवस के अवसर पर बैडमिंटन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी अनूप बिष्ट ने बताया कि खेल दिवस के अवसर पर अंडर-11, अंडर-13, अंडर-16 आयुवर्ग में बालक और बालिकाओं की इंटर स्टेडियम में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही 18 से 40 पुरुष डबल्स, 40 से 60 व 60 से अधिक डबल्स में भी बैडमिंटन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

आबादी में चहल कदमी कर रहे गजराज

ऋषिकेश।गंगानगर की गलियां बारिश में पानी से लबालब हैं। जलभराव से स्थानीय लोगों की मुसीबतें बढ़ी हुई हैं। अब हाथियों की आमद ने लोगों की दुश्वारियां और ज्यादा बढ़ा दी हैं। हाथी आबादी में चहल कदमी कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार वन विभाग रोकथाम को कोई कदम उठाता नजर नहीं आ रहा है। हाथी के गंगानगर में पहुंचने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

जानकारी के मुताबिक मंगलवार की देर रात वन क्षेत्र से निकलकर एक हाथी गंगानगर में पहुंच गया। हाथी हनुमंतपुरम की गलियों में घूमता देख स्थानीय लोगों के होश उड़ गए। सड़क में जलभराव के बीच गुजर रहे लोगों ने इधर–उधर छुपकर जान बचाई। हालांकि, हाथी जानमाल का नुकसान न करते हुए वापस जंगल की तरफ लौट गया, लेकिन हाथी की आमद से स्थानीय लोग खौफजदा हैं। उन्होंने वन विभाग से जंगली जानवरों से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। रेंज अधिकारी रविंद्र पुंडीर ने बताया कि हाथी के पहुंचने की सूचना मिली थी, जिसके बाद टीम को मौके पर भेजा गया था। टीम ने बामुश्किल हाथी को आबादी से खदेड़कर जंगल में भेज दिया। अत्याधिक बारिश में जंगलों में जगह–जगह जलभराव से वन्यजीव आबादी क्षेत्र का रुख कर रहे हैं।

विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा में गाजरघास जागरूकता सप्ताह का आयोजन

अल्मोड़ा। विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा द्वारा 16–22 अगस्त के दौरान 18वें गाजर घास जागरूकता सप्ताह का आयोजन संस्थान के निदेशक डॉ लक्ष्मीकांत के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रयोगात्मक प्रक्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में प्रातः 1–2 घंटा गाजर घास के उन्मूलन हेतु जागरूकता तथा निर्मूल करने सम्बंधित कार्यक्रम युध्यायस्तर पर चलाया गया। साथ ही साथ 17 अगस्त को संस्थान के परिसर अल्मोड़ा में भी गाजरघास का उन्मूलन तथा जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इसी क्रम में 18 अगस्त को संस्थान के हवालबाग परिसर स्थित आवासीय कालोनी और खाकल सेक्टर में पार्थेनियम द्वारा प्रभावित विभिन्न स्थानों में उन्मूलन कार्य करने के साथ–साथ कालोनीवासियों को गाजर घास की संक्रमकता तथा इसके दुष्प्रभाव के विषय में जानकारी दी गई। 21 अगस्त को राजकीय इंटर कालेज हवालबाग अल्मोड़ा में पार्थेनियम के उन्मूलन पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों तथा विद्यालय के अन्य कार्मिकों को मानव और जानवरों में पार्थेनियम जनित स्वास्थ्य समस्याओं, उत्पादकता की हानि के साथ–साथ जैव विविधता जैसे विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूक किया गया। 22 अगस्त को विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा के प्रायोगिक फार्म हवालबाग में पार्थेनियम जागरूकता पर गोष्ठी का आयोजन किया गया ।

डीएम से मिली वायुरथ महोत्सव समिति

चम्पावत। सुंई–बिशुंग में होने वाले वायुरथ महोत्सव में सहयोग के लिए समिति ने डीएम से मुलाकात की।

महोत्सव समिति के अध्यक्ष श्याम दत्त चौबे के नेतृत्व में 27 अगस्त से शुरू होने वाले महोत्सव में रक्तदान, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन, स्काउट सेवा के शिविर, केविके, उद्यान के स्टॉल लगाने की मांग की। समिति ने महोत्सव को सरकारी घोषित करने और अनुदान की मांग को लेकर डीएम के जरिए सीएम को ज्ञापन भेजा।

शिष्टमंडल में संरक्षक सचिन जोशी, प्रधान भुवन चौबे, गौरव पांडेय, योगेश ओली, मदन पुजारी, प्रेम चौबे, हयात सिंह माहरा, विजय बिष्ट, डॉ. महेश ढेक आदि मौजूद रहे।

बीआरओ के मजदूरों को हटाने से नाराज कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

पिथौरागढ़। बीआरओ के मजदूरों को हटाए जाने से आक्रोशित कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं का कहना है बीआरओ के इस फरमान से मजदूरों के सामने परिवार का भरण–पोषण करना चुनौती बन गया है।

बुधवार को नगर में कांग्रेस जिलाध्यक्ष डीडीहाट मनोहर टोलिया के नेतृत्व में कार्यकर्ता और मजदूर एकत्र हुए। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि काम न होने का बहाना बनाकर मजदूरों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। कहा कि पूर्व में माह में 15 और फिर 10 दिन ही मजदूरों को काम दिया गया और अब वह भी उनके हाथ से छीन लिया गया है। इससे मजदूर बेरोजगार हो गए हैं। कहा कि मजदूरी कर कर वह किसी तरह अपने परिवार का गुजारा कर रहे थे, लेकिन अब काम छीन जाने से उनके सामने संकट खड़ा हो गया है।

बाद में टोलिया ने एसडीएम के माध्यम से डीएम को ज्ञापन भेजकर हटाए गए मजदूरों को पांच दिन के भीतर काम में रखने की मांग की। कहा कि अगर मजदूरों को काम पर नहीं रखा गया तो आगामी 28अगस्त से कांग्रेस तहसील मुख्यालय में धरने में बैठ जाएगी। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष डीडीहाट विक्रम दानू, पूर्व युकां कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष लक्ष्मण विश्वकर्मा, पूर्व छात्र संघ महासचिव राजेंद्र प्रसाद, यूथ कांग्रेस मीडिया प्रभारी डीडीहाट लव राजकुमार आदि थे।

गाजरघास को जड़ से खत्म करने पर जोर दिया

रुद्रपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने वित्त पोषित एवं खरपतवार विज्ञान निदेशालय जबलपुर मध्य प्रदेश के तत्वावधान में खरपतवार नियंत्रण परियोजना के तहत सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय द्वारा गाजरघास जागरुकता सप्ताह का समापन किया। नॉरमन ई. बोरलॉग फसल अनुसंधान केन्द्र पंतनगर में में कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक शोध डॉ. एएस नैन ने की। डॉ. नैन ने कहा कि गाजरघास जागरूकता अभियान को आने वाले वर्ष में विवि स्तर पर आयोजित करेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के तहत आने वाले हर केन्द्र के संयुक्त निदेशकों से कहा कि वह अनुसंधान केन्द्रों पर गाजरघास को पूर्णतयाः समाप्त करने का प्रण लें जिससे गाजरघास का पूर्णतया उन्मूलन किया जा सके। उन्होंने बताया कि गाजरघास के सम्पर्क में आने से खाज–खुजली, गर्दन, चेहरे तथा बाहों की चमड़ी सख्त होकर फट जाती है जिस कारण घाव बन जाते हैं। इसका निदान करना असम्भव हो जाता है। इस घास को नियंत्रण करने का सबसे अच्छा उपाय यह है कि इसे जड़ से उखाड़ कर जला दें या गड्ढे में दबा दें क्योंकि इसके नियंत्रण के लिए प्रति वर्ष रासायनिक नियंत्रण के लिए लगभग 11,800 करोड़ रुपये की लागत आती है। यह आंकड़े 2010 के सर्वे के अनुसार हैं। जबकि वर्तमान समय में ये लागत और भी अधिक हो गई है। यहां पर फसल अनुसंधान केन्द्र के सहनिदेशक डॉ. एपी सिंह, सस्य विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक खरपतवार परियोजना के स्टाफ के सदस्यों एवं फसल अनुसंधान केन्द्र के कर्मचारी सहित लगभग 100 लोगों ने प्रतिभाग लिया। खरपतवार प्रबंधन परियोजना अधिकारी डॉ. एसपी सिंह ने इस जागरूकता सप्ताह के तहत प्रतिदिन चलाये गये अभियान को चलचित्र के माध्यम से प्रदर्शित किया। डॉ. एसपी सिंह ने बताया कि भूमि गीली होने पर खरपतवार को हाथों में पॉलीथिन या दस्ताने पहनकर उखाड़ देना चाहिए और अच्छी तरह जलाकर नष्ट कर देना चाहिए।

291 ईवीएम मशीनों का रेडामाइजेशन किया

बागेश्वर। जिला कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में ईवीएम व वीवीपैट मशीनों का द्वितीय रेंडमाइजेशन किया गया। इस दौरान सामान्य प्रेक्षक राजेश कुमार, जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराधा पाल व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में 291 ईवीएम मशीनों का रेंडमाइजेशन किया गया। निर्वाचन क्षेत्र में 188 बूथों के लिए 188 ईवीएम, और 103 ईवीएम रिजर्व में रखी गईं। रेंडमाइजेशन के उपरांत ईवीएम रिटर्निंग ऑफिसर को मतदान कराने के लिए हस्तगत हुईं।

इससे पूर्व प्रेक्षक की मौजूदगी में 25 माइक्रो आब्जर्वरों का रेंडमाइजेशन किया गया।

जीआईसी हवालबाग अटल इनोवेशन मिशन के अंतर्गत एटीएल स्कूल ऑफ द मंथ हेतु चयनित

अल्मोड़ा। राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज हवालबाग की अटल टिंकरिंग लैब को भारत सरकार के नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के अंतर्गत एटीएल स्कूल ऑफ द मंथ हेतु चयनित किया गया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य व एटीएल इंचार्ज डॉ0 कपिल नयाल ने बताया कि इस हेतु अटल टिंकरिंग लैब में होने वाली गतिविधियों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों तथा विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए विभिन्न प्रोजेक्ट्स व एटीएल डैशबोर्ड में प्रदर्शन के आधार पर अटल इन्नोवेशन मिशन द्वारा देश भर में स्थापित प्रयोगशालाओं में से सर्वोत्तम लैब्स का चयन किया जाता है। विद्यालय की अटल टिंकरिंग लैब को पूर्व में स्टार एटीएल ऑफ इंडिया व तीन बार एटीएल ऑफ द मंथ भी चुना जा चुका है। लैब के एटीएल स्कूल ऑफ द मंथ चुने जाने पर राजेश बिष्ट, डॉ0 दीप चंद्र जोशी,संजय पांडे, टी0 डी0 भट्ट, प्रदीप सलाल, दिनेश चंद्र पपनै, निर्मल कुमार पंत, धन सिंह धौनी, प्रमोद कुमार पांडे, कमलेश जोशी, भगवत सिंह बगडवाल, सुनीता बोरा, भावना वर्मा, सुमन पाठक, हिमांती टम्टा, मोनिका जोशी, हरीश तिवारी, मथुरा देवी आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के सम्बन्ध में सीडीओ ने ली बैठक

अल्मोड़ा। मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना अन्तर्गत समूह सदस्यों के उत्पादों को विपणन के अवसर प्रदान करने के सम्बन्ध में आज मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा काण्डे की अध्यक्षता में विकास भवन, अल्मोड़ा में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न विकासखण्डों में गठित समूहों के उत्पादों को प्रचार–प्रसार एवं विपणन करने हेतु प्रदर्शनी लगाए जाने पर चर्चा की गई। जनपद के समस्त विकासखण्डों के कुल 20 चयनित स्थानों में प्रदर्शनी के माध्यम से समूह द्वारा उत्पादित स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प उत्पादों आदि का विपणन किया जाएगा। उक्त प्रदर्शनी हेतु ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के समूहों द्वारा प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया जायेगा। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबन्धक ग्रामीण वेग वृद्धि योजना (रीप) राजेश मठपाल ने बताया कि प्रतिभागी महिला समूह सदस्यों से मुख्यमंत्री जी संवाद करेंगे।

अपर सचिव ने की समीक्षा बैठक

हल्द्वानी। अपर सचिव शिक्षा मेजर योगेंद्र यादव ने अपर निदेशक माध्यमिक कुमाऊं मंडल लीलाधर व्यास, मुख्य शिक्षा अधिकारी जगमोहन सोनी, जिला शिक्षा अधिकारी नागेंद्र बर्थवाल और प्राचार्य डायट गीतिका जोशी के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में अपर सचिव ने डीएलएड प्रशिक्षुओं से वार्ता कर उनसे पूर्ण सत्यनिष्ठा और मनोयोग से प्रशिक्षण लेने की अपील की। बैठक में संकाय सदस्यों ने प्रमोशन और डायट के कैडर व नियमावली में समाधान करने के लिए ज्ञापन सौंपा।

सीएम घोषणाओं को गंभीरता से लें अधिकारी

चम्पावत। डीएम नवनीत पांडेय ने अधिकारियों को सीएम घोषणा के कार्यों को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए हैं। यहां हुई समीक्षा बैठक में उन्होंने सीएम की घोषणाओं को समय से पूरा करने को कहा है।

बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार में डीएम ने सीएम घोषणा के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में लंबित घोषणाओं पर विचार विमर्श किया गया। सीडीओ राजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि सीएम ने 174 घोषणाएं की हैं। इनमें से 66 पूरी हो गई हैं। 28 घोषणाएं जिला स्तर पर लंबित हैं। डीएम ने चूका में प्रस्तावित हेलीपैड, आर्मी स्कूल, नवोदय में बहुउद्देशीय जिम, खेल मैदान, हॉल निर्माण, सिद्ध नरसिंह मंदिर का सौंदर्यीकरण, गोरलचौड़ मैदान में स्टेडियम निर्माण की डीपीआर शासन को भेजने को कहा। बनबसा में मुक्तिधाम व स्टेडियम के लिए जमीन चयनित करने के निर्देश दिए। बताया गया कि बनबसा में सिडकुल के लिए 72 हेक्टेयर जमीन का चयन किया गया है। चम्पावत रोडवेज स्टेशन में मल्टी स्टोरी पार्किंग निर्माण के लिए सर्वे कर लिया गया है। नरसिंह डांडा में अंबेडकर भवन के लिए जमीन चिन्हित कर ली गई है। चम्पावत पीजी कॉलेज में मॉडल छात्रावास के लिए धनराशि स्वीकृत हो गई है। बैठक में डीएफओ आरसी कांडपाल, सीडीओ राजेंद्र सिंह रावत, सीएमओ डॉ.केके अग्रवाल, सीईओ आरसी पुरोहित, डीईएसटीओ दीप्तकीर्ति तिवारी समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

अतिक्रमण मामले में 28 अगस्त को महापंचायत ऐलान

हल्द्वानी। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जिला नैनीताल 28 अगस्त को भीमताल रामलीला मैदान में महापंचायत का आयोजन करने जा रहा है। बुधवार को रामपुर रोड स्थित एक होटल में प्रेसवार्ता कर महापंचायत के बारे में जानकारी दी गई। जिलाध्यक्ष विपिन गुप्ता ने कहा कि राज्यमार्गों में बसे व्यापारियों को उजाड़ने की कार्रवाई के विरोध में महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जिले के 25 नगर इकाइयों के प्रतिनिधि आगे की रणनीति तैयार करेंगे।

सड़क का निर्माण करो नहीं तो लोक सभा चुनाव में नहीं डालेंगे वोट

पिथौरागढ़। विश्व प्रसिद्ध पाताल भुवनेश्वर क्षेत्र के 12 से अधिक गांवों के लोगों ने सरकार से सड़क निर्माण की मांग की है। कहा है कि ऐसा नहीं किया गया तो वे लोक सभा चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल को वोट नहीं देंगे। पाताल भुवनेश्वर से दौलाबलिया , नानीशीतला , शिमायल व भूल की अधियाली चामाचौड़ सड़क की मांग पूर्ण न होने पर ग्रामीणों ने लोक सभा चुनाव 2024 का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है । कहा है कि इस क्षेत्र के दो स्वतंत्रता सेनानियों के गांव एवं अनेक पूर्व सैनिकों के गांव आज के इस आधुनिक युग में भी सड़क मार्ग से वंचित हैं। जिला पंचायत सदस्य पीपली दिवाकर सिंह रावल ने कहा कि वे 2019 में जिला पंचायत सदस्य बनने के बाद 54 बार तहसील, जिला , सचिवालय स्तर के अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री व प्रधान मंत्री से पत्राचार कर चुके हैं। कई बार जिला पंचायत की बैठकों में इस मसले को उठा चुके हैं। इसके बावजूद आज तक सड़क स्वीकृत नहीं हुई।कहा 1963 से उक्त क्षेत्र के ग्रामीण सड़क की मांग कर रहे हैं।कहा कि राजनीतिक दलों ने ग्रामीणों को कई बार सड़क निर्माण का वायदा किया, लेकिन कोई भी इसे पूरा नहीं कर सका है। इसलिए ग्रामीणों ने अब लोकसभा चुनाव से पूर्व सड़क नहीं बनाने पर चुनाव का बहिष्कार करने का ऐलान किया है। क्षेत्र के 1हजार से अधिक लोगों का आक्रोश लोक सभा चुनाव में राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों को भी भारी पड़ेगा। रावल ने कहा कि उन्होंने इस मामले में डीएम को भी पत्र दिया है।

सीओ ने की यातायात कार्यालय की जांच

बागेश्वर। पुलिस उपाधीक्षक शिव राज सिंह राणा ने यातायात कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। कर्मचारियों को विधानसभा उपचुनाव शांतिपूर्ण संपन्न कराने में यातायात पुलिस की भूमिका के बारे में बताया। सभी से अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निभाने के निर्देश दिए। पुलिस कर्मियों को पौष्टिक भोजन करने व नियमित योग करने की भी सलाह दी।

चंद्रयान की सफलतापूर्वक लैंडिग पर व्यापारियों ने की आतिशबाजी

रुद्रपुर। अंतरिक्ष में चंद्रयान–3 की सफलतापूर्वक लैंडिंग पर व्यापारियों ने आतिशबाजी की और मिष्ठान वितरण कर एक दूसरे को बधाई दी।बुधवार शाम चंद्रयान–3 की चांद पर लैंडिंग को देखने के लिए दर्जनों व्यापारी जमा हुए।

उन्होंने पूरी को घटना का टीवी पर सीधा प्रसारण देखा। जैसे ही चंद्रयान ने अंतरिक्ष पर कदम रखा। सभी लोग खुशी से झूमकर ताली बजाने लगे।

इस दौरान नगर व्यापार मंडल कोषाध्यक्ष नितिन फुटेला ने कहा कि यह भारत वर्ष के लिए अभूतपूर्व पल है। चंद्रयान की सफलता से पूरे विश्व में भारत का डंका बज उठ है। यह भारत के विकसित देश बनने का पहला कदम है।

दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश को भाया नैड़ी कुंवाली का पिपलेश्वर महादेव मंदिर

अल्मोड़ा। नैड़ी कुंवाली पट्टी कालीगाड़ में स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिर से प्रभावित होकर दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश श्रवण कांत शर्मा ने आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक आरती धुन मशीन पिपलेश्वर मंदिर कमेटी को मंदिर हेतु भेंट की। इसके अलावा उन्होंने श्री विष्णु महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ में आए हुए श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद स्वरूप मिष्ठान भी दिया।

पिपलेश्वर महादेव मंदिर नैडी कुंवाली पट्टी कालीगाड़, रानीखेत से लगभग 30 किमी दूरी पर कुंवाली ऐना भिटारकोट सड़क मार्ग से लगा मलया नदी और लिलाड़ी नदी के संगम पर भगवान शिव का मंदिर स्थित है। पिपलेश्वर मंदिर में 18 अगस्त से 28 अगस्त तक श्री विष्णु महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें नैडी, कुंवाली, बग्वालीपोखर, बिंता, मजखाली, मनान, सोमेश्वर, अल्मोड़ा, रानीखेत, द्वाराहाट, चौखुटिया, धौलाघट, गोबिंदपुर आदि समस्त नजदीकी गावों से रोज सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भगवान शिव का आशीर्वाद, प्रसाद एवं पुण्य प्राप्त कर रहे हैं।

पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल व पूर्व ब्लॉक प्रमुख रेखा भाजपा में शामिल

बागेश्वर। बागेश्वर नगर पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल और उनकी पत्नी पूर्व ब्लॉक प्रमुख बुधवार को अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए हैं। इस दौरान कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि विकास से प्रभावित होकर लोग भाजपा में आने को आतुर हैं। मुख्यमंत्री धामी को बागेश्वर के कार्यक्रम में शामिल होना था, लेकिन मौसम खराब होने के कारण वह नहीं पहुंचे। पार्टी कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में बुधवार को नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल अपनी पत्नी व पूर्व प्रमुख रेखा खेतवाल और बसपा जिलाध्यक्ष सुंदर स्यूनेवाल अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने वर्चुअल रूप से कार्यकर्ताओं का स्वागत किया और विकास के लिए भाजपा के हाथ मजबूत करने को कहा।

बागेश्वर में कांग्रेस बेहतर स्थिति मेंः पाल

बागेश्वर। पूर्व सांसद व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता महेंद्र पाल ने कहा कि बागेश्वर उपचुनाव में कांग्रेस बेहतर स्थिति में हैं। इस बात से भाजपा पूरी तरह डरी हुई है। बागेश्वर की सीट कांग्रेस की रही है। पहले भाजपा ने यह सीट उनसे छीनी थी, आज कांग्रेस भाजपा से अपनी सीट छीनेगी। उन्होंने कहा कि कोई कांग्रेसी भाजपा में नहीं गया है और न जाने की स्थिति में है। महंगाई और भ्रष्टाचार बागेश्वर की सीट भाजपा से छीनेगी। पार्टी कार्यालय में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में पाल ने कहा कि महंगाई का आलम यह है कि केंद्रीय मंत्री दूध तक में दाम बढ़ा रहे हैं।

172.11 ग्राम स्मैक के साथ दो युवक गिरफ्तार

हल्द्वानी। लालकुआं थाना पुलिस और एसओजी ने बरेली से हल्द्वानी में स्मैक की सप्लाई करने आ रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 172.11 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेज दिया है। आरोपी करीब तीन–चार साल से लालकुआं, हल्द्वानी समेत पहाड़ों तक सप्लाई कर रहे थे। बुधवार को एसएसपी पंकज भट्ट ने कोतवाली स्थित बहुद्देशीय भवन में मामले का खुलासा किया। बताया कि बीते मंगलवार की रात सीओ लालकुआं संगीता, कोतवाल डीआर वर्मा और एसओजी टीम सुभाषनगर बैरियर पर चेकिंग कर रहे थे। तभी बाइक सवार दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। जिन्हें पुलिस ने कुछ दूरी पर पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम नसीम (28) निवासी फतेहगंज बरेली व अभय शर्मा (20) निवासी बिहारीपुर बरेली बताया। अभय ने काठगोदाम स्थित अपनी बहन के घर जाने की बात कही। तलाशी ली तो आरोपियों से 172.11 ग्राम स्मैक बरामद हुई। आरोपियों ने बताया कि वह स्मैक बरेली से तस्लीम नाम के व्यक्ति से लाए थे। कार्रवाई करने वाली टीम में एसआई गौरव जोशी, एसओजी प्रभारी राजवीर सिंह नेगी, सिपाही विरेन्द्र रौतेला, चन्द्रशेखर, कुन्दन कठायत, त्रिलोक सिंह, अशोक रावत, भानु प्रताप, दिनेश नगरकोटी रहे। एसएसपी ने टीम को 5 हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की है।

व्यापार मंडल और नागरिक मंच ने डीएम को बताई समस्याएं

नई टिहरी। डीएम मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जनसहयोग समिति की बैठक में नागरिक मंच और व्यापार मंडल पदाधिकारी ने नई टिहरी नगर की विभिन्न समस्याओं को डीएम के समक्ष रखा। डीएम ने संबधिंत विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में नागरिक मंच और व्यापार मंडल पदाधिकारियों नई टिहरी नगर की विभिन्न समस्याओं से संबधिंत प्रस्तावों को डीएम को सौंपे। डीएम ने नगर के नागरिकों के लिए बेहत्तर सुविधा देने, नगर में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ाने हेतु नागरिक मंच और व्यापार मंडल पदाधिकारियों से सुझाव भी प्राप्त किये गये। डीएम ने कहा कि क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने, शहर को और बेहतर बनाने तथा व्यवसायियों एवं आम नागरिकों की सुविधा के मद्देनजर संबंधित विभागों के अधिकारी प्लान तैयार करें। नागरिक मंच अध्यक्ष सुन्दरलाल उनियाल ने एवं व्यापार मंडलध्यक्ष ज्योति डोभाल ने नगर में डोर डू डोर कूड़ा कलेक्शन एवं साफ–सफाई, बौराड़ी गांव के पुनर्वास संबंधी मामलों का निस्तारण, लावारिस पशुओं का समाधान,नगर में बंदरों के आतंक से मुक्ति, आन्तरिक सड़कों को दुरुस्त करने,बारिश के पानी की निकासी हेतु नालियों की सफाई, जिला अस्पताल में डॉक्टरों की तैनाती, बौराड़ी स्टेडियम, बस अड्डा, सीवर लाइन सहित कई मुद्दे डीएम के सम्मुख रखे। डीएम सभी समस्याओं के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये। बैठक में सीडीओ मनीष कुमार, प्रशिक्षु आईएएस आसीमा गोयल, एसडीएम संदीप कुमार, एआरटीओ चक्रपाणि मिश्र, डीटीडीओ अतुल भंडारी, एटीओ अरविन्द चौहान, पंकज तिवारी, ईई डीएम गुप्ता, ईई अमित आनन्द, ईई डीएस नेगी, ईई प्रशान्त भारद्वाज, ईओ हयात सिंह, कमल सिंह महर, सीपी डबराल आदि मौजूद थे।

केंद्रीय विवि परिसर बादशाहीथौल में छात्र धरने पर बैठे

नई टिहरी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े छात्रों ने विभिन्न मांगों को लेकर केंद्रीय विवि परिसर बादशाहीथौल में अनिश्चितकालीन धरने शुरू किया है। छात्रों ने मांगे नहीं माने जाने तक धरना जारी रखने की चेतावनी दी है। बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों ने 9 सूत्रीय मांगों को लेकर केंद्रीय विवि परिसर बादशाहीथौल में अपना अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। संगठन के जिला संयोजक गौतम मखलोगा ने कहा कि छात्र लंबे समय से पूर्व की भांति 5 प्रतिशत कैंपस वेटेज देने, सीयूइटी परीक्षा में स्थानीय छात्रों को 50 प्रतिशत आरक्षण, रिक्त सीटों पर मेरिट बेस के आधार पर प्रवेश देने, परिसर को वाईफाई युक्त बनाने, रीडिंग रुम एंव जिम का संचालन रविवार को भी करने के साथ दोनों के समय में परिवर्तन करने, परिसर में खाली पदों पर कर्मचारी और शिक्षकों नियुक्ति करने,छात्रों और शिक्षकों के लिये बायोमेट्रिक की सुविधा देने सहित 9 सूत्रीय मांगों के निराकरण की मांग की है। बताया इस संबंध में छात्रों द्वारा पूर्व में विवि कुलपति को मांग पत्र भेजा गया था, लेकिन छात्रों की मांगों पर कोई कार्यवाही नहीं हो पाई, जिसके विरोध में छात्र को मजबूर होकर अनिश्चितकालीन धरना शुरु करना पड़ा है। बताया जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो जाती है, उनका धरना जारी रहेगा। धरने पर बैठने वालों में छात्र संघ महासचिव नितीश कोठारी, अंशुल भंडारी, अनुराग मखलोगा, अजय, वैभव, राजवीर आदि शामिल हैं।

चंद्रयान—3 की सफलता के लिए बदरी—केदार में महाभिषेक

चमोली। भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान केन्द्र इसरो के चंद्रयान 3 मिशन की सफलता की कामना के लिए बदरीनाथ– केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने बदरीनाथ मंदिर और नृसिंह मंदिर जोशीमठ में पूजा–अर्चना की । बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि इसरो द्वारा चांद पर भेजे जा रहे चंद्रयान– 3 के सफल आरोहण के लिए बदरीनाथ और केदारनाथ में महाभिषेक एवं विशेष पूजा–अर्चना की गई। बदरीनाथ धाम में रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी ने भगवान बदरीविशाल का महाभिषेक संपन्न किया।वेदपाठी रविन्द्र भट्ट ने पूजा– अर्चना संपन्न की साथ ही सभी के द्वारा चंद्रयान की सफलता हेतु प्रार्थना की गयी। इस अवसर पर बीकेटीसी उपाध्यक्ष किशोर पंवार, मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान, राजेंद्र सेमवाल, विवेक थपलियाल, कर्मचारी संघ अध्यक्ष जगमोहन बर्त्वाल, संतोष तिवारी, अनसूया नौटियाल आदि मौजूद रहे। केदारनाथ धाम में पुजारी शिवलिंग ने भगवान केदारनाथ की महाभिषेक पूजा अर्चना एवं जलाभिषेक किया एवं चंद्रयान–3 मिशन के सफलता की कामना की।

नौ घंटे से अधिक बाधित रहा बदरीनाथ हाईवे

नई टिहरी। ऋषिकेश–बदरीनाथ राजमार्ग देवप्रयाग के निकट भारी मलबा आने से नौ घण्टे से अधिक बाधित रहा। जिसके चलते यहां वाहनों की लंबी कतार लग गयी।

एनएच की ओर से काफी मशक्कत के बाद यहां राजमार्ग दोपहर बाद सवा तीन बजे तक खोला जा सका। बुधवार सुबह करीब छह बजे देवप्रयाग डिग्री कॉलेज के निकट स्थित भगवानदास भेल पर भारी मलबा भरभरा कर नीचे आ गिरा। कई मीटर में फैले मलबे को हटाने के लिए यहां एनएच की ओर से दो जेसीबी लगाई गयी। इस बीच भारी बारिश आने से काम रोकना भी पड़ा। बाद में काफी मशक्कत के बाद करीब सवा तीन बजे मलबा हटाये जाने के बाद यातायत सुचारु किया जा सका। ऋषिकेश से महादेव चट्टी, धौलधार में भी कुछ देर राजमार्ग बाधित हुआ। मगर देवप्रयाग से दो किमी आगे आये मलबे से ऋषिकेश व श्रीनगर से निकले वाहन यहीं फंस के रह गए। यातायत बाधित होने से देवप्रयाग क्षेत्र से जाने वाले लोगों को काफी मुश्किल बनी रही। एसएचओ देवराज शर्मा के अनुसार, राजमार्ग खुलने तक सुरक्षा की दृष्टि से ऋषिकेश से आने वाले यातायत को देवप्रयाग तहसील के निकट ही रोक दिया गया था। राजमार्ग के अधिक बाधित होने से मलेथा होकर भी यातायत डाइवर्ट किया गया। नौ घण्टे से अधिक यातायात बाधित होने से ऋषिकेश से निकले बदरीनाथ, केदारनाथ, हेमकुंड आदि को निकले यात्रियों को खासी मुश्किलें बनी रही।

पीपलकोटी के आपदा प्रभावितों ने मांगा मुआवजा

चमोली। नगर पंचायत पीपलकोटी में बीते 13 और 14 अगस्त को अतिवृष्टि व बादल फटने से चार वार्ड नौरख, अगथला, गडोरा व बाटुला मायापुर में भारी नुकसान हुआ है। मंगलवार को पीपलकोटी नगर पंचायत के स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने डीएम के माध्यम से आपदा से हुए नुकसान का ब्यौरा सौंपकर सीएम को ज्ञापन प्रेषित किया। जिसमें मांग की गई है कि पीपलकोटी, बंड क्षेत्र और यहां आयी आपदा का मुआवजा केदारनाथ और जोशीमठ आपदा के तर्ज पर दिया जाय।अतुल शाह और शंभू प्रसाद सती ने कहा कि बंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत सल्ला रैतोली, कम्यार, चातौली–किरूली, ल्वाह, महरगांव, दिगोली, बिरही हाट दशवाणा, जैसांल, मठझडेता, बेमरू, गुनियाला, स्यूण, लुदाउ गांव का बंड विकास संगठन के पदाधिकारियों द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया है। जिसमें दर्जन भर से अधिक आवास पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त और बह गए हैं। कई आवासीय मकानों व गोशालों में मलबा घुसने से क्षतिग्रस्त हो गया है। कई जगह पर भूस्खलन जैसी स्थिति पैदा हुई है। जिससे क्षेत्र के लोग सहमे हुए है। कहा कि कई व्यापारियों ने स्वरोजगार के तहत बैंकों से ऋण लिया हुआ है। लेकिन आपदा से उनपर संकट पैदा हो गया है। कहा कि क्षेत्र में आई भीषण आपदा को जोशीमठ व केदारनाथ आपदा के सरकारी मानकों के आधार पर प्रभावितों को आवासीय भवन, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का मुआवजा दिया जाय। कहा कि शासन प्रशासन के द्वारा आपदा के कारण हुए समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो क्षेत्रीय जनता प्रदर्शन , चक्का जाम, आमरण अनशन करेंगी । जिसकी जिम्मेंदारी जिला प्रशासन की होंगी। इस मौके पर हरिदर्शन रावत, अयोध्या हटवाल, विनिता देवी, विजय प्रसाद, अनिल जोशी, मदन डंडरियाल, तारेंद्र थपलियाल, हरीश पुरोहित, भुवन शाह आदि मौजूद थे।

बारिश जारी रही तो खतरे के निशान को पार कर जाएंगी नदियां

रुद्रप्रयाग। बीती रात से हो रही बारिश के चलते अलकनंदा और मंदाकिनी का जल स्तर सामान्य से काफी अधिक रहा। हालांकि अभी खतरे के निशान से ऊपर पानी नहीं आया किंतु नदी किनारे आवाजाही खतरनाक बनी है। इसी तरह बारिश हुई तो दोनों नदियां खतरे के निशान 627 मीटर को पार कर जाएगी। जिला आपदा प्रबंधन के अनुसार अलकनंदा नदी का जल स्तर 624 और मंदाकिनी का जल स्तर 623 मीटर दर्ज किया गया है।

अतिक्रमण हटाने को 521 लोगों को नोटिस

चमोली। उच्च न्यायालय नैनीताल द्वारा प्राप्त रिट में पारित आदेशों के क्रम में राजमार्गों, सरकारी एवं वन भूमि से त्वरित अतिक्रमण हटाने जाने और सभी विभागों द्वारा अपने विभागों की भूमि एवं भवनों का लैंड बैंक तैयार करने को लेकर जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने मंगलवार को समीक्षा बैठक ली। अपर जिलाधिकारी डॉ अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि विभागों द्वारा सरकारी भूमि पर 3495 अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं। जिसमें से 524 स्थलों पर अतिक्रमण हटा लिए गए हैं। अतिक्रमण हटाने के लिए विभागों द्वारा 521 लोगों को नोटिस दिए गए हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ ललित नारायण मिश्र, एडीएम डॉ अभिषेक त्रिपाठी, सिविल जज सीनियर डिवीजन सिमरनजीत कौर, एपीडी केके पंत, संबधित विभागों के अधिकारी एवं वर्चुअल माध्यम से सभी एसडीएम व संबधित डिविजनों के अधिकारी मौजूद थे।

पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी के बयान पर भड़के तीर्थ पुरोहित

नई टिहरी। उत्तराखण्ड के पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी के गंगा नदी पर दिये गए बयान पर देवप्रयाग के तीर्थ पुरोहित समाज सहित क्षेत्रवासियों में खासा रोष बना है। देवप्रयाग तीर्थ से ही गंगा नाम का उद्गम होने से बयान को लेकर यहां विशेष आक्रोश बना है।

पूर्व राज्यपाल कुरैशी ने मध्य प्रदेश में आयोजित एक कार्यक्रम में कांग्रेस की ओर से गंगा मैया की जय बोलने को डूब मरने वाली बात करार दिया था। तीर्थ पुरोहितों ने राष्ट्रीय नदी गंगा पर दिए गए इस बयान को आपत्तिजनक व निंदनीय बताया है। उनके अनुसार, अजीज कुरैशी जिस राज्य के राज्यपाल रहे वहीं से निकलने वाली मां गंगा के प्रति इस तरह के बयान आश्चर्य में डालने वाले हैं। उत्तराखण्ड के राज्यपाल रहते वह यहां की देव संस्कृति व गंगा की महिमा बखान करते थकते नहीं थे। लेकिन आज उनका गंगा पर दिया ऐसा बयान करोड़ों हिंदुओं की आस्था पर सीधी चोट करने वाला है। श्री बदरीश युवा पुरोहित संगठन ने कहा कि, पूर्व राज्यपाल कुरैशी यह नही भूलें कि, देश के करोड़ों लोगों का जीवन गंगा के भरोसे ही है। उनके लिए यह मां के समान ही है। जबकि हिंदू धर्म में गंगा मुक्ति देने वाली मानी गयी है। विश्व का महान कुंभ मेला गंगा तट पर हरिद्वार व प्रयाग राज में ही आयोजित होता है। अनेक मुस्लिम संतों, शायरों ने गंगा की महिमा गाई है। तीर्थ पुरोहित अशोक टोडरिया, रमावल्लभ भट्ट, अशोक तिवारी, माधव पंचपुरी, नितिन ध्यानी, गिरीश कोटियाल, नरहरि शास्त्री, महेश अलखनिया, श्रीपति बाबुल कर आदि ने बयान की कड़ी आलोचना की है।

कॉम्पेक्टर से हरिद्वार तक कूड़ा पहुंचाने के निर्देश

नई टिहरी। डीएम मयूर दीक्षित ने कलक्ट्रेट सभागार में बुधवार को ग्राम पंचायतों के लिये उपलब्ध कराये गये कूड़ा निस्तारण वाहनों के संचालन, रुट चार्ट बनाने, वाहनों पर जीपीएस सिस्टम लगाने, जीपीएस एप को प्रसारित करने के साथ वाहनों को ट्रेक करने के बैठक में संबधिंत अधिकारियों को निर्देश दिये। डीएम ने प्लास्टिक कूड़े को ग्राम पंचायत से रोड़ हेड तक लाने, रोड हेड से नगर पंचायत और नगरपालिका के कॉम्पेक्टर की मद्द से हरिद्वार पहुंचाने के बीडीओ और नगरपालिका, नगर पंचायत के अधिकारियों को निर्देश दिये। साथ ग्रामीणों को गीला और सूखा कूड़ा अलग–अलग स्थानों पर रखने के लिये ग्रामीणों को जागरुक करने को कहा। डीएम ने मौसम की अपडेट लेते हुये सभी अधिकारियों को फिल्ड में तैनात रहकर कार्य करने के निर्देश दिये हैं। डीपीआरओ एमएम खान ने बताया कि ग्राम पंचायतों में प्लास्टिक कूड़ा निस्तारण हेतु 4 हजार 246 डस्टबिन लगाये गये हैं,जिनसे कूड़ा ग्राम पंचायतों द्वारा रोड़ हेड तक लाया जायेगा। बैठक में सीडीओ मनीष कुमार,आईएएस आसीमा गोयल, डीडीओ सुनील कुमार, एआरटीओ चक्रपाणि मिश्रा, एएमए जिला पंचायत संजय खंडूरी, एडीआईओ भजनी भंडारी आदि उपस्थित थे।

योग शिविर में स्वास्थ्य लाभ ले रहे लोग

रुद्रप्रयाग। बीते कई वर्षो से भाणाधार में योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। प्रशिक्षकों द्वारा लगातार शिविर में आने वाले लोगों को योग, प्राणायाम कराया जा रहा है। योग शिक्षक हरि सिंह पंवार ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिदिन सुबह साढ़े 4 बजे से साढ़े 5 बजे तक योग कक्षाएं चल रही है। इसमें योग शिक्षक राजेंद्र प्रसाद पोखरियाल, सच्चिदानंद नौटियाल एवं हरि सिंह पंवार द्वारा योगाभ्यास कराया जा रहा है। साथ ही असाध्य रोगों को उपचार योग एवं आयुर्वेद एवं नेचुरोपेथी से कराने का भरोसा दिया जा रहा है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी

E Mail ID:- eepwdcdpauri@gmail.com, eepwdcdpauri@rediffmail.com, Fax& Phone No- (01368-222284)

पत्रांक- 1482/20ए0सी0 दिनांक 22/08/2023

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु मोहरबन्द निविदायें दिनांक 01.09.2023 को अपराह्न 2.00 बजे तक निम्न कार्यालयों में आमंत्रित की जाती है। निविदा के साथ वांछित धरोहर धनराशि राष्ट्रीय बचत पत्र, डाकघर की पास बुक व शेड्यूल बैंक की एफ.डी.आर. के रूप में मान्य होगी जो अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी के नाम बन्धक होगी। निविदा के साथ रूपये 100.00 का नान जूडिशियल स्टाम्प पेपर वैधता की शर्तों के साथ जिसके ऊपर रू0 1.00 के रसीदी टिकट सहित हस्ताक्षर होना अनिवार्य है।

निविदा प्रपत्र दिनांक 24.08.2023 से 31.08.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10.00 बजे से सांय 3.00 बजे तक निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त की जा सकती है।

1. अधीक्षण अभियन्ता 12वॉ वृत्त लो0नि0वि0 पौड़ी
2. अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लो0नि0नि0 पौड़ी
3. अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 पौड़ी
4. अधिशासी अभियन्ता अस्थाई खण्ड लो0नि0वि0 कीर्तिनगर जिला टिहरी गढ़वाल।

निविदायें अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी के कार्यालय में दिनांक 01.09.2023 को अपराह्न 3.30 बजे टैण्डर खोलने हेतु गठित समिति द्वारा उपस्थित निविदा दाताओ अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने का समय	ठेकेदार की श्रेणी
1	जिला योजना के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के विकासखण्ड पोखड़ा के अन्तर्गत संगलाकोटी-भैड़गांव-गुडिण्डा मोटर मार्ग का बडोलगांव से पठोलगांव तक विस्तार में स्कपर एवं दीवारों का निर्माण कार्य।	12000.00	1000+ GST	45 दिन	3 माह	मार्ग कार्य में डी एवं उच्चतर।
2	जिला योजना के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र पौड़ी के विकासखण्ड कोट के अन्तर्गत पंचुर से कमरगढ़-देहलचौरी मोटर मार्ग का निर्माण कार्य।	26000.00	1000+ GST	45 दिन	3 माह	मार्ग कार्य में डी एवं उच्चतर।
3	जिला योजना के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र पौड़ी के विकासखण्ड कोट के अन्तर्गत ग्राम कलढग के प्राथमिक विद्यालय से डोभ गांव तक 0.500 कि0मी0 मीटर मार्ग का निर्माण।	12000.00	1000+ GST	45 दिन	3 माह	मार्ग कार्य में डी एवं उच्चतर।
4	जिला योजना (एस0सी0एस0पी0) के अन्तर्गत जणदादेवी से बोन्दरखाल मोटर मार्ग के कि0मी0 6.00 में डामरीकरण का कार्य।	30000.00	1000+ GST	45 दिन	3 माह	मार्ग कार्य में डी एवं उच्चतर।

1- अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये किसी भी निविदा अथवा समस्त निविदाओं को निरस्त/स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है, एवं निविदा क्रय करते समय पंजीकरण की फोटो प्रति अवश्य साथ लाये।

(इं0 डी0सी0 नौटियाल)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रा0 खण्ड, लो0नि0वि0, लैन्सडौन (गढ़वाल)

Email ID:-eepwdlansdowne@gmail.com, eepwdlansdowne@rediffmail.com, Phone/Fax : (01386) 262260

पत्रांक सं0 2604 /21एम0जी0 दि0 22-08-23

निविदा सूचना

उत्तराखण्ड के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से अधिशासी अभियन्ता प्रा0ख0लो0नि0वि0 लैन्सडौन के द्वारा निम्नलिखित कार्यों की शील्ड निविदा दिनांक 12.09.2023 अपरान्ह 3.00 बजे तक निम्नलिखित कार्यालयों में आमंत्रित की जाती है, निविदा प्रपत्र के साथ रू0 100/- के स्टाम्प पेपर पर रू0 1.00 का रसीदी टिकट लगाकर वैधता की शर्तों के साथ ठेकेदार द्वारा हस्ताक्षर करना अनिवार्य होगा। निविदा प्रपत्र दि0 25.08.2023 से दि0 11.09.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है।

1. कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता 12वॉ वृत्त, लो0नि0वि0 पौड़ी।
2. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0नि0 लैन्सडौन।
3. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 दुगड्डा।
4. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0, कीर्तिनगर।

क्र. सं.	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (व्यापार कर अतिरिक्त)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	ठेकेदारों की पंजीकृत श्रेणी
1	वार्षिक अनुरक्षण के अन्तर्गत फतेहपुर-लैन्सडौन मोटर मार्ग के किमी0 1 से 23 तक पैच मरम्मत का कार्य। (प्रमुख जिला मार्ग)	72,000.00	2000+18% GST	2 माह	45 दिन	उत्तराखण्ड लो.नि.वि.में मार्ग श्रेणी में पंजीकृत डी एवं उच्चतर
2	वार्षिक अनुरक्षण के अन्तर्गत घट्टूगाड-सिलोगी-चैल्यूसैण -द्वारीखाल-गुमखाल-लैन्सडौन-रिखणीखाल-वीरोंखाल मोटर मार्ग (एस0एच0-51) में पैंच मरम्मत का कार्य (किमी0 75 से 86 तक)।	30,000.00	1000+18% GST	2 माह	45 दिन	--तदैव--
3	--तदैव-- किमी0 116 से 131 तक।	30,000.00	1000+18% GST	2 माह	45 दिन	--तदैव--
4	--तदैव-- किमी0 136 से 165 तक।	62,000.00	2000+18% GST	2 माह	45 दिन	--तदैव--
5	वार्षिक अनुरक्षण के अन्तर्गत लक्ष्मण झूला-दुगड्डा-रथुवाढाब-हल्दूखाता-नैनीडांडा-धुमाकोट मोटर मार्ग (एस0एच0-09) में पैंच मरम्मत का कार्य। (किमी0 190 से 206) तक।	30,000.00	1000+18% GST	1 माह	45 दिन	--तदैव--
6	वार्षिक अनुरक्षण के अन्तर्गत चखुलिया खाल-ताड़केश्वर मोटर मार्ग में पैंच मरम्मत का कार्य। (किमी0 1 से 5) तक।	24,000.00	1000+18% GST	1 माह	45 दिन	--तदैव--
7	वार्षिक अनुरक्षण के अन्तर्गत रिखणीखाल ब्लॉक के अन्दर बूंगा मल्ला मोटर मार्ग में पैंच मरम्मत का कार्य 3 किमी0।	12,000.00	500+18% GST	1 माह	45 दिन	--तदैव--
8	वार्षिक अनुरक्षण के अन्तर्गत सतपुली-दुधारखाल-धारकोट-सिसल्डी मोटर मार्ग में पैंच मरम्मत का कार्य। (किमी0 1 से 60) तक।	60,000.00	1500+18% GST	2 माह	45 दिन	--तदैव--
9	--तदैव-- किमी0 61 से 92 तक।	72,000.00	2000+18% GST	2 माह	45 दिन	--तदैव--
10	वार्षिक अनुरक्षण के अन्तर्गत गवाणा-कमलखेत-बन्दूण मोटर मार्ग में पैंच मरम्मत का कार्य।	45,000.00	1500+18% GST	2 माह	45 दिन	--तदैव--
11	वार्षिक अनुरक्षण के अन्तर्गत डौंर-नगधार-ब्याली, गढकोट सम्पर्क मार्ग, चाई-गिवाली एवं रैतपुर मोटर मार्ग में पैंच मरम्मत का कार्य।	60,000.00	2000+18% GST	2 माह	45 दिन	--तदैव--
12	वार्षिक अनुरक्षण के अन्तर्गत धुमाकोट-पीपली मोटर मार्ग में पैंच मरम्मत का कार्य।	45,000.00	1500+18% GST	2 माह	45 दिन	--तदैव--

निविदायें दिनांक 12.09.2023 को अपरान्ह 03:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगीं, अन्य शर्ते निविदा प्रपत्रों के साथ देखी जा सकेगी, किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

सम्पादकीय

चांद पर हिंदुस्तानी बादशाहत

1969 में जब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान इसरो की स्थापना की गई थी तो उस वक्त शायद यह कल्पना नहीं की गई होगी कि एक दिन भारत चांद के उसे हिस्से पर उतरेगा जहां उससे पहले किसी भी देश के कदम नहीं पहुंचेंगे। इसरो का प्राथमिक लक्ष्य मुख्य तौर पर मौसम के पूर्वानुमानों की भविष्यवाणी करने से लेकर दूर संचार व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए उपग्रह को डिजाइन करना था। अपने इस मूल कार्य के अलावा इसरो ने प्रगति के जो तकनीकी पंख लगाए उसका आज पूरा विश्व लोहा करने को विवश है। इसरो के गठन से लेकर अब तक इस संगठन के विकास और लक्ष्य को हासिल करने में लगे वैज्ञानिकों ने आज वहां मुकाम हासिल कर लिया है जिसने न केवल हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया है, बल्कि भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाले पहले देश के रूप में स्थापित कर दिया है। इसरो की शुद्ध देसी तकनीक का ही यह चमत्कार है कि आज पूरे विश्व में चंद्रयान–3 की चर्चा है और खुद को प्रगति के विकास में सबसे आगे समझने वाले देश अचंभित भी हैं। जल्द ही चंद्रयान–3 अपने आगे के कार्यक्रम से संबंधित अपडेट इसरो को भेजना शुरू करेगा जिसके लिए चंद्रयान की सॉफ्ट लैंडिंग के बाद विक्रम लैंडर से प्रज्ञान रोवर के बाहर आने का इंतजार किया जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि इसमें एक दिन का समय भी लग सकता है। इसके बाद विक्रम और प्रज्ञान एक–दूसरे की फोटो खींचकर और पृथ्वी पर भेजेंगे। इसरो की यह सफलता कोई सामान्य बात नहीं है क्योंकि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने का प्रयास इससे पहले भी किया गया है लेकिन किसी भी देश को इसमें सफलता नहीं मिल पाई। भारत में इससे पूर्व "चंद्रयान एक" एवं चार वर्ष पूर्व "चंद्रयान–दो" मिशन चलाया था लेकिन भारत को भी असफलता का मुंह देखना पड़ा था। हालांकि इसरो के वैज्ञानिकों ने हिम्मत नहीं हारी और "चंद्रयान–3" पर नई तकनीक और संभावनाओं के साथ कार्य शुरू किया गया। आज परिणाम सबके सामने है और इसरो उसे मुकाम पर आ खड़ा हुआ है जहां अब तक अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा की बात की जाती थी। चंद्रयान–3 की सफलता के बाद वैज्ञानिक अनुसंधान और खोज के नए रास्ते खुलेंगे। यह राष्ट्र की प्रगति में एक मील का पत्थर दर्शाता है। भारत सरकार निजी अंतरिक्ष लॉन्च और संबंधित उपग्रह पर आधारित व्यवसायों में निवेश को बढ़ावा देना चाहती है। इस विलक्षण सफलता के लिए इसरो के सभी वैज्ञानिक और देश का कुशल नेतृत्व बधाई का पात्र है जिसने असफलताओं के बावजूद भी ना तो हर मनी और ना ही वैज्ञानिकों को हताश होने दिया। भूलना नहीं चाहिए चंद्रयान–2 की असफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो प्रमुख को बेहद आत्मीयता से गले लगाते हुए ढाढस बंधाया, तो पूरा देश भावविभोर हो उठा था। इससे पहले देश ने ऐसा दृश्य कभी नहीं देखा था जिसमें कोई राष्ट्र प्रमुख अपने वैज्ञानिकों को इस प्रकार से प्रोत्साहित करता हो। आज इसरो के वैज्ञानिकों ने उन सब पुरानी असफलताओं को पीछे छोड़ते हुए सफलता के ऐतिहासिक आयाम खड़े कर दिए हैं। पूरे विश्व को अब भारत के अंतरिक्ष प्रोग्राम का लोहा मानना ही होगा साथ ही यह सफलता इसरो के आगामी कार्यक्रमों एवं अंतरिक्ष विज्ञान में देश के विकास को नए पद पर ले जाने में मिल का पत्थर साबित होगा।

समावेशी विकास : मौलिक सोच से निकलेगी प्रेरक राह

बुनियादी सुधार के किसी कार्यक्रम में चार अनिवार्यताओं को ध्यान में रखना होगा। पहली बात तो यह है कि देश की समस्याओं के साथ विश्व की समस्याओं को भी ध्यान में रखना होगा। आज विश्व निश्चय ही अनेक स्तरों पर गंभीर संकट से त्रस्त है। विश्व स्तर की ऐसी पर्यावरणीय समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं, जैसे ओजोन परत के लुप्त होने की समस्या, जलवायु के गर्म होने की समस्या और उससे जुड़ी समुद्रों के जल स्तर के बढने् की संभावना, जो दुनिया में पलयकारी विनाश ला सकती हैं। साम्राज्यवाद लुप्त होने के स्थान पर अपना सिर उठाए घूम रहा है और पेटेंट कानून, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रसार, विदेशी कर्ज से जुड़ी शतरे, खनिजों की लूट, अंतरराष्ट्रीय व्यापार में मनमानी आदि मसलों पर बेहद तीखे तेवर अपना रहा है। दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि अपने इतिहास को वास्तव में जानने, अपनी विरासत को पहचानने और अपनी गलतियों से सीखने के निष्ठावान प्रयास से ही कोई सार्थक कार्यक्रम भविष्य के लिए बन सकता है।

भारत डोगरा

हम उस देश के वासी हैं जिसकी बहुत पुरानी सभ्यता है, तरह–तरह के मजहबों और जातियों और नस्लों की साझी विरासत है।

इतिहास के पन्ने गवाह हैं कि इस साझी सभ्यता ने विश्व को बहुत कुछ दिया है। इस तरह की विरासत और कई संस्कृतियों के मिलन वाले देश में इतना आत्मविास होना चाहिए कि यदि विश्व में कुछ बहुत गंभीर गलतियां हो रही हों तो वह कहे कि यह अनुचित है, हमें इससे अलग राह तलाशनी है और अपनानी है।

इसमें कोई संदेह नहीं रह गया है कि मौजूदा राह पर चलते हुए दुनिया पर्यावरण, विषमता, युद्ध, महाविनाशक हथियारों, सामाजिक टूटन और तनाव के गंभीर संकट में फंस चुकी है। हमारे देश और समाज में इतनी मौलिकता होनी चाहिए कि हम इस संकट के कारणों की पहचान करें तथा इनसे अपने को अलग कर अपनी ऐसी राह निकालें जिससे हमारी भलाई हो तथा साथ ही अन्य देशों को भी प्रेरणा मिले कि वह मौजूदा संकटों से बचाने वाली राह तलाशने का प्रयास करें। इस प्रयास के लिए चाहिए मनुष्य की भलाई करने की क्षमता में गहरा विास और मौलिक सोच। आज की दुनिया की यह हालत है कि वह बहुत तेजी से दौड़ रही है पर उसे यह नहीं पता कि वह किस दिशा में दौड़ रही है। यदि दिशा ही सही नहीं है तो भटकते ही रह जाएंगे। यदि लक्ष्य ही सही नहीं है तो उस ओर दौड़ लगाने से तो नुकसान ही होगा। अतः इस बारे में बहुत गहराई से सोचना बेहद जरूरी है कि आखिर, हम कैसा देश चाहते हैं। हमारे सबसे महत्त्वपूर्ण और मूल उद्देश्य क्या हैं?

हमारा पहला उद्देश्य तो यह है कि हम धर्म, जाति, नस्ल, लिंग, क्षेत्र के भेदभाव के बिना समान रूप से अपने देश के सभी लोगों की भलाई चाहते हैं। हम चाहते हैं कि वे सभी किसी बुनियादी जरूरत से वंचित न रहें। सभी को संतोषजनक भोजन, वस्त्र, आवास, साफ पानी और हवा उपलब्ध हो। वे आपसी सहयोग प्रेम और मित्रता से रहें तथा उन्हें अपनी रचनात्मक क्षमताएं विकसित करने के भरपूर अवसर मिलें। दूसरा मूल उद्देश्य यह है कि हम केवल वर्तमान पीढ़ी की भलाई नहीं चाहते हैं अपितु आने वाले पीढ़ियों की भलाई के लिए भी उतना ही प्रयास करना चाहते हैं। अपने बच्चों और उनके आगे की पीढ़ियों की चिंता हम नहीं करेंगे तो कौन करेगा? तीसरा मूल उद्देश्य यह है कि हम केवल मनुष्यों की भलाई नहीं चाहते हैं अपितु जीवन के सभी रूपों पशु–पक्षियों, कीट–पतंगों, जल–जीवों आदि की भलाई भी चाहते हैं और उनके आश्रय स्थलों वनों, नदियों, समुद्रों आदि की भी रक्षा करना चाहते हैं।चौथा महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है कि हम अपने देश के सब लोगों और जीवों की भलाई चाहने के साथ पूरी दुनिया की भलाई चाहते हैं। अपने देश के लोगों की समृद्धि के लिए हम किसी अन्य देश को लूटना नहीं चाहते और उन पर हमला करना नहीं चाहते। इन चारों मूल उद्देश्यों में आपसी समन्वय बनाना बहुत जरूरी है। इन पर गंभीरता से विचार कर इनका निचोड़ निकाल कर हमें व्यावहारिक नीतियां निकालनी हैं। जब हम यह स्वीकार करते हैं कि हमें सभी लोगों की भलाई, भावी पीढ़ियों की भलाई, जीव–जंतुओं की रक्षा पर ध्यान देना है तो इसका स्वाभाविक निष्कर्ष यह हुआ कि संसाधनों पर चंद लोगों का नियंतण्रया चंद लोगों का अधिक भोग–विलास का जीवन इस उद्देश्य से मेल नहीं रखता। बहुत भोग–विलासिता की जीवन–शैली होगी तो इसका वन, हवा, पानी सब पर प्रतिकूल असर पड़ेगा, भावी पीढ़ियों के जीवन पर प्रतिकूल असर पड़ेगा, अन्य जीव–जंतुओं का जीवन और उनके आश्रय स्थल खतरे में पड़ेंगे। अतः इन चारों उद्देश्यों को प्राप्त करना है तो सादगी और समता के जीवन मूल्यों को स्वीकार करना बहुत जरूरी है।

बुनियादी सुधार के किसी कार्यक्रम में चार अनिवार्यताओं को ध्यान में रखना होगा। पहली बात तो यह है कि देश की समस्याओं के साथ विश्व की समस्याओं को भी ध्यान में रखना होगा। आज विश्व निश्चय ही अनेक स्तरों पर गंभीर संकट से त्रस्त है। विश्व स्तर की ऐसी पर्यावरणीय समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं, जैसे ओजोन परत के लुप्त होने की समस्या, जलवायु के गर्म होने की समस्या और उससे जुड़ी समुद्रों के जल स्तर के बढने् की संभावना, जो दुनिया में पल्रयकारी विनाश ला सकती हैं। साम्राज्यवाद लुप्त होने के स्थान पर अपना सिर उठाए घूम रहा है और पेटेंट कानून, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रसार, विदेशी कर्ज से जुड़ी शतरे, खनिजों की लूट, अंतरराष्ट्रीय व्यापार में मनमानी आदि मसलों पर बेहद तीखे तेवर अपना रहा है।दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि अपने इतिहास को वास्तव में जानने, अपनी विरासत को पहचानने और अपनी गलतियों से सीखने के निष्ठावान प्रयास से ही कोई सार्थक कार्यक्रम भविष्य के लिए बन सकता है। आज यह कहना इसलिए और भी जरूरी हो गया है क्योंकि पिछले कुछ वषी में इतिहास को गलत पढने् के कारण, शायद जान–बूझ कर गलत पढने् के कारण बहुत सी नफरत फैलाई गई और हिंसा भडक़ाई गई। देश को इस अंधी गली में इतना धकेल दिया गया कि उसे अपनी विरासत के बहुत सार्थक और प्रेरणादायक संदेश याद रखने का मौका ही नहीं मिला जो समय–समय पर गौतम बुद्ध, गुरू नानक, संत कबीर और महात्मा गांधी से प्राप्त हुए थे। हर देश और सभ्यता की तरह हमारे इतिहास में भला भी है और बुरा भी, पर हमें विशेष रूप से अपनी विरासत की उन प्रेरणाओं को पहचानना है, जो वर्तमान संकट से उभरने में हमारी और पूरे विश्व की सहायता कर सकें।

तीसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है जो भी कार्यक्रम बनाया जाए, उसके विभिन्न पक्षों का एक दूसरे से सामंजस्य और समन्वय हो। यदि हम पर्यावरण संरक्षण की बात कर रहे हैं, तो अर्थव्यवस्था में वैसे ही बदलाव सुझाएं जो इस उद्देश्य के अनुकूल हों। यह कहने की जरूरत भी आज विशेष रूप से इसलिए है क्योंकि पिछले कुछ वषी में एक दूसरे का विरोध करने वाली नीतियों को सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए एक ही कार्यक्रम में कई बार शामिल किया गया। उदाहरण के लिए पर्यावरण बचाने की दुहाई बार–बार देते समय आर्थिक नीतियां ऐसी सुझा दी जाती हैं, जिनसे पर्यावरण की काफी जबरदस्त तबाही की संभावना है।अंतिम अनिवार्यता यह है कि बुनियादी सुधार का जो भी कार्यक्रम बने उसमें समाज के सभी हिस्सों की भागेदारी की पूरी संभावना होनी चाहिए और विशेष ध्यान उन तबकों पर देना चाहिए जो किसी न किसी भेदभाव या दबदबे के कारण अभी तक इस भागेदारी से वंचित किए गए हैं। लिंग के आधार पर देखें तो महिलाओं को, जाति के आधार पर देखें तो दलितों को, क्षेत्र के आधार पर देखें तो वनवासियों को और वर्ग के आधार पर देखें तो मजदूरों, छोटे किसानों और दस्तकारों को अधिक अवसर देने और उनकी व्यापक भागेदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। वास्तव में सार्थक बदलाव की एक प्रमुख पहचान यही है कि समाज अब तक जिन सदस्यों के भरपूर योगदान से वंचित रहा, वे अब उन्मुक्त होकर अपनी संभावनाओं के अनुकूल योगदान समाज की व्यापक भलाई में दें। किसी भी समाज के लिए वह दिन बहुत शुभ माना जाएगा जव उसके सभी सदस्य समान रूप से अपनी–अपनी क्षमता के अनुसार उसे बेहतर बनाने में योगदान कर सकें।

राजस्थान में नरेंद्र मोदी लड़ रहे चुनाव !

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले नौ वर्षों में किसी प्रदेश (गुजरात व यूपी में भी नहीं) के विधानसभा चुनाव की भाजपा लड़ाई का कंट्रोल अपने पास नहीं रखा। लेकिन राजस्थान का असेंबली चुनाव अपने कंट्रोल में लिया है। हां, राजस्थान में प्रदेश भाजपा या केंद्रीय भाजपा संगठन दिखावे के रोल में है। नरेंद्र मोदी खुद एक–एक बात तय करते हुए हैं। प्रचार–प्रसार और मीडिया प्रबंधन आदि का सारा काम मोदी–जेपी नड्डा कमांड की अधीनस्थ टीमों से होगा। तमाम व्यस्तताओं के बीच नरेंद्र मोदी हर तरह का टेकओवर लिए हुए होंगे। क्यों? कई कारण हैं। एक, आगे के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं जीतने देना। दो, अमित शाह और वसंधुरा राजे का हेडऑन। तीन, मोदी की यह गणित की उनके चेहरे से प्रदेश में आंधी बनेगी। इसलिए मध्य प्रदेश और छतीसगढ़ सीधे अमित शाह की जिम्मेदारी में रहे तो उनके जलवे में की रिस्क नहीं। चार, राजस्थान में कांग्रेस के अंदरूनी हालात। पांच, पिछले तीन विधानसभा चुनाव के आंकड़ों की भाजपा बनाम कांग्रेस तस्वीर। छह, एआईसीसी व प्रदेश कांग्रेस की हवा–हवाई तैयारियां।

इन बातों का एक–एक कर खुलासा संक्षेप में संभव नहीं है। मोटा–मोटी यह जानें कि नरेंद्र मोदी पिछले चुनाव के आंकड़ों व अलग–अलग जरियों की सर्वे रिपोर्टों, फीडबैक, जमीनी बारीक जातीय हिसाब पर फैसले लेते हैं। तभी आश्चर्य नहीं जो गुरुवार को उन्होंने मध्य प्रदेश और छतीसगढ़ की क्रमशः उन 39 व 21 सीटों पर उम्मीदवार सबसे पहले घोषित कराए, जिनमें भाजपा लगातार हारती आई है या जात–पात की गणित व कांग्रेज के दिग्गजों का दांव है। दोनों प्रदेशों की लिस्ट में एसटी–एससी या मुस्लिम बहुल क्षेत्र या दिग्विजय सिंह के क्षेत्र, भूपेश बघेल की सीट (जो उम्मीदवार घोषित किए उनके जीतने के अवसर भले कम हो) पर उम्मीदवार देकर यह मैसेज तो बनवा दिया है कि भाजपा सर्वाधिक कमजोर सीटों पर सर्वाधिक तैयारी और फोकस करते हुए है।

बतौर उदाहरण मुस्लिम बहुत भोपाल मध्य में भाजपा ने ध्रुवनारायण सिंह को उम्मीदवार बनाया। इस सीट पर कांग्रेस का मुस्लिम विधायक है। कहते है कांग्रेस ने पिछले चुनाव में अपने खांटी पुराने कांग्रेसी मुस्लिम को बदल ओवैसी के कहने पर इसे टिकट दी। पहले 2008 में कांग्रेसी विरासत के ध्रुवनारायण सिंह ने भाजपा के टिकट पर चुनाव जीता था। बाद में शहला मसूद की हत्या

जाहिर है किसी टिकटार्थी का कोई इतिहास हो, संघ–भाजपा के विचार–संगठन में बेगाना हो लेकिन मोदी–शाह वही नाम तय कर रहे हैं, जो जीतने की अधिकतम संभावना लिए है। लिस्ट में दिग्विजय सिंह के भाई के आगे जातीय गणित का हिसाब कर इसी एप्रोच में महिला उम्मीदवार को उतारा। ऐसे ही भूपेश बघेल के मुकाबले में उनके भतीजे भाजपा सासंद विजय बघेल को उतारा गया। कुल मिलाकर एक–एक मुश्किल या हारने वाली सीट पर भी मोदी–शाह की घेरेबंदी बहुत निर्मम है। मान सकते हैं कि मोदी–शाह (साथ में जेपी नड्डा–ओम माथुर) माइक्रो लेवल की हर सीट पर दिल्ली से नजर रखेंगे।

नरेंद्र मोदी की अपने लेवल की टीम ही राजस्थान की दो सौ सीटों में हर सीट पर न केवल खुद उम्मीदवार तय करेगी, बल्कि यह भी टारगेट होगा कि प्रदेश में तीन बार से लगातार हारती पांच सीटों पर भी भाजपा जीते। पूरा दम लगे।

की साजिश में उनका नाम आया तो साइडलाइन हुए।

ध्रुवनारायण सिंह की भाजपा में लॉबी नहीं थी। सो, सीबीआई से क्लीन चिट हुई तब भी हाशिए में। प्रदेश नेताओं से नाम नहीं गया हुआ था। तभी कहते हैं जब दिल्ली की बैठक में मोदी–शाह ने ध्रुवनारायण सिंह का नाम रखवाया तो प्रदेश नेताओं ने दबे में ही सही विरोध कर कहा इससे हल्ला बनेगा। पुरानी खबरें ताजा होंगी। लेकिन दो टूक शब्दों में प्रदेश नेताओं की यह कहते हुए बोलती बंद की गई कि जब सीट पर टक्कर लायक दूसरा कोई नहीं है और इससे पार्टी ने एक बार सीट जीती है तो यही उम्मीदवार। क्या इसके खिलाफ अब कोई केस है?ज्नहीं है तो यह फाइनल।

जाहिर है किसी टिकटार्थी का कोई इतिहास हो, संघ–भाजपा के विचार–संगठन में बेगाना हो लेकिन मोदी–शाह वही नाम तय कर रहे हैं, जो जीतने की अधिकतम संभावना लिए है। लिस्ट में दिग्विजय सिंह के भाई के आगे जातीय गणित का हिसाब कर इसी एप्रोच में महिला उम्मीदवार को उतारा। ऐसे ही भूपेश बघेल के मुकाबले में उनके भतीजे भाजपा सासंद विजय बघेल को उतारा गया। कुल मिलाकर एक–एक मुश्किल या हारने वाली सीट पर भी मोदी–शाह की घेरेबंदी बहुत निर्मम है। मान सकते हैं कि मोदी–शाह (साथ में जेपी नड्डा–ओम माथुर) माइक्रो लेवल की हर सीट पर दिल्ली से नजर रखेंगे।

नरेंद्र मोदी की अपने लेवल की टीम ही राजस्थान की दो सौ सीटों में हर सीट पर न केवल खुद उम्मीदवार तय करेगी, बल्कि यह भी टारगेट होगा कि प्रदेश में तीन बार से लगातार हारती पांच सीटों पर भी भाजपा जीते। पूरा दम लगे।

वैसे राजस्थान में भाजपा की लगातार हारने वाली सीटें मध्य प्रदेश के मुकाबले बहुत कम हैं जबकि प्रदेश में बार–बार सरकार बदलती रही है। नोट रखें जैसे मध्य प्रदेश–छतीसगढ़ के प्रदेश नेताओं को दिल्ली बुलाकर उन्हें उम्मीदवार बता दिए गए वैसे ही राजस्थान के नेताओं को बुलाकर लिस्ट थमा दी जाएगी। मोदी–शाह के पास सर्वे, उम्मीदवारों की पैनल और सब नाम लगगभ तय हुए पड़े हैं।

सोचें, इस सबके मुकाबले कांग्रेस, मल्लिकार्जुन खडगे़, राहुल गांधी, प्रदेश कांग्रेस नेताओं की तैयारियों का क्या हाल है? नरेंद्र मोदी के आगे जहां अकेले अशोक गहलोत को तैयारी करनी है। साधन जुटाने हैं।

चुनावी अधिसूचना के तुरंत बाद पाला बदलने वाले टीवी चैनलो, मीडिया को संभालना है तो वही सचिन पायलट और टिकटार्थियों की मारामारी से भी जूझना है। एंटी इनकम्बेसी लिए मंत्रियों–विधायकों के टिकट काटने हैं। नरेंद्र मोदी के कमान संभालने के बाद जयपुर के मीडिया की यह धारणा फालतू है कि वसुंधरा राजे को भाव नहीं देने से चुनाव में भाजपा डूबेगी। और यदि ऐसा पहले था भी तभी तो नरेंद्र मोदी ने कमान संभाली है। ऐसे में आगे क्या –क्या बदलेगा, चुनाव माहौल कैसा बनेगा, यही राजस्थान चुनाव का असल मामला है।

इन लोगों को भूल से भी न खाने चाहिए बैंगन, घर में लाने से पहले एक बार जरूर पढ़ लीजिए

कई ऐसे लोग हैं जिन्हें बैंगन खाना काफी ज्यादा पसंद होता है. बैंगन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि हर मौसम में यह आपको आराम से मिल जाता है. लेकिन क्या आपको पता है सर्दी में बैंगन खाने के अपने ही फायदे हैं. बैंगन खाने से दिल की बीमारी, ब्लड शुगर हमेशा कंट्रोल में रहता है. आपको जानकर हैरानी होगी कि बैंगन खाने से वजन भी कम हो जाता है. लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि कुछ लोगों बैंगन खाने से परहेज करना चाहिए.

ये लोग न खाएं बैंगन

गैस और पेट की गड़बड़ी वाले लोग भूल से भी न खाएं बैंगन

जिस व्यक्ति को अक्सर पेट की गड़बड़ी रहती है उन्हें बैंगन कभी नहीं खाना चाहिए. जिन व्यक्ति को गैस की समस्या होती है उन्हें भी बैंगन नहीं खाना चाहिए.

एलर्जी होने पर

अग किसी व्यक्ति को किसी भी तरह की स्किन एलर्जी होती है उन्हें भी बैंगन से दूरी बना लेनी चाहिए. क्योंकि बैंगन खाने से आपकी एलर्जी ट्रिगर हो सकती है.

डिप्रेशन

अगर कोई व्यक्ति डिप्रेशन की दवा लें रहा या किसी भी तरह के डिप्रेशन से जूझ रहे है तो आपको बैगन खाने से से बचना चाहिए, क्योंकि इसे खाने से आपकी दवा का असर कम हो सकता है.

खून की कमी

शरीर में खून की कमी है तो बैंगन भूल से भी नहीं खाना चाहिए. क्योंकि यह आपके खून बनने में दिक्कत करता है.

आंखों में जलन

जिन लोगों में आंखों में दिक्कत रहती है जैसे जलन या सूजन उन्हें बैंगन नहीं खाना चाहिए. क्योंकि यह दिन पर दिन और बढ़ सकता है.

बवासीर

बवासीर से पीड़ित हैं तो बैंगन से दूरी बना लें. वरना आपकी दिक्कत समय के साथ अधिक बढ़ सकती है.

स्टोन

जिन लोगों को स्टोन की दिक्कत होती है उन्हें बैंगन भूल से भी नहीं खाना चाहिए. क्योंकि बैंगन में पाया जाने वाला ऑक्सलेट पथरी की प्रॉब्लम और बढ़ा सकती है.

माथे से मुंहासे दूर करने के लिए आजमाएं ये 5 घरेलू नुस्खे, जल्द दिखेगा असर

माथे पर मुंहासे त्वचा की सबसे जिद्दी समस्याओं में से एक है, जिनका पूरे लुक पर बुरा असर पड़ता है।अत्यधिक सक्रिय वसामय ग्रंथियां माथे पर मुंहासे होने का कारण बनती हैं। ये ग्रंथियां सीबम नामक एक पदार्थ बनाती हैं, जो रोमछिद्रों में कीटाणुओं या मृत त्वचा कोशिकाओं को फंसा सकती हैं।आइए आज हम आपको 5 ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जो माथे से मुंहासें दूर करने में प्रभावी माने जाते हैं।

एलोवेरा का करें उपयोग

एलोवेरा में एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो माथे पर मुंहासे और फुंसियों को कम करने में मदद कर सकते हैं।लाभ के लिए एलोवेरा जेल को प्रभावित हिस्से पर हल्के हाथों से लगाएं।इसे 20–30 मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद माथे को ठंडे पानी से धो लें।जब तक समस्या से छुटकारा न मिल जाए तब तक इस उपाय को रोजाना सुबह–शाम दोहराते रहें।यहां जानिए त्वचा को एलोवेरा से मिलने वाले लाभ।

टी ट्री ऑयल लगाएं

टी ट्री ऑयल में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो हल्के से मध्यम माथे के मुंहासों को कम कर सकते हैं। इस तेल की एंटी–बैक्टीरियल प्रकृति मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से भी लड़ सकती है।लाभ के लिए टी ट्री ऑयल की 1–2 बूंदों को नारियल के तेल के साथ मिलाएं। अब इस मिश्रण में रुई डुबोकर इसे प्रभावित क्षेत्रों पर लगाएं।इसे रातभर लगा रहने दें। ऐसा आप रोजाना एक बार कर सकते हैं।

नींबू का तेल भी आएगा काम

नींबू के तेल में एंटी–ऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो त्वचा से मृत त्वचा कोशिकाओं को दूर करके मुंहासों को नियंत्रित करने में मदद कर सकते

हैं।इसमें मैग्नीशियम एस्कॉर्बिल फॉस्फेट भी होता है, जिसका त्वचा पर हाइड्रेटिंग प्रभाव पड़ता है।लाभ के लिए नारियल के तेल में नींबू के तेल की 2–3 बूंदें मिलाकर इसे माथे पर लगाएं और मिश्रण को सूखने के लिए छोड़ दें।यहां जानिए नींबू के तेल से जुड़े हैक्स।

नीम भी है प्रभावी नीम में शक्तिशाली एंटी–माइक्रोबियल और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। ये गुण त्वचा के मुंहासों को कम करने में मदद कर सकते हैं।लाभ के लिए 10–15 नीम की पत्तियों को आवश्यकतानुसार पानी के साथ पीसकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इस मिश्रण को प्रभावित जगह पर लगाकर 20–30 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें।इसके बाद माथे को पानी से धो लें।मुंहासों से छुटकारा दिलाने में ये 5 नीम फेस पैक भी मदद कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में वसंत ऋतु में जंगलों में आग लगने का अधिक खतरा

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के व्यवसायों और समुदायों को अग्निशमन अधिकारियों से देश में आगामी वसंत रितु में जंगलों में आग लगने के अधिक खतरे को देखते हुए चेतावनी मिली है। ऑस्ट्रेलेशियन फायर अथॉरिटीज काउंसिल (एएफएसी) ने मौसमी जंगल की आग को देखते हुए चेतावनी दी कि उत्तरी क्षेत्र, क्वींसलैंड और न्यू साउथ वेल्स के बड़े क्षेत्रों के साथ-साथ विक्टोरिया और दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्रों में जंगल की आग के बढ़ते जोखिम का सामना करने की आशंका है।

यह चेतावनी ऑस्ट्रेलियाई मौसम विज्ञान ब्यूरो द्वारा सितंबर से नवंबर तक लगभग पूरे देश में औसत से अधिक तापमान और औसत से कम वर्षा की उच्च संभावना की भविष्यवाणी के बाद आयी है। एएफएसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रॉब वेब ने कहा जलवायु प्रभावों के कारण इस मौसम में जंगलों में आग लगने का खतरा व्यापक है। लगभग पूरे देश में इस वसंत ऋतु में सामान्य से अधिक शुष्क और गर्म स्थिति की उम्मीद की जा सकती है, इसलिए आस्ट्रेलियाई लोगों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे आने वाले महीनों में जंगलों में लगने वाली आग के स्थानीय खतरों के प्रति सतर्क रहें। वेब ने कहा कि 'वसंत में आग ऑस्ट्रेलियाई परिदृश्य का एक नियमित हिस्सा है।

ढाका में अमेरिका एवं बंगलादेश की रक्षा समझौते पर बातचीत

ढाका ,एजेंसी। बंगलादेश अमेरिका के साथ बुधवार को रक्षा समझौते पर बातचीत करेगा। दोनों देशों के बीच यह रक्षा संवाद अमेरिका और बंगलादेश के बीच विभिन्न स्तरों की बातचीत का हिस्सा है। बैठक में इस बात पर चर्चा होने की उम्मीद है कि बंगलादेश भारत-प्रशांत क्षेत्र में कैसे योगदान दे सकता है। इसके अलावा जिसोमिया और अक्सा के बीच रक्षा समझौते पर भी चर्चा हो सकती है।

सूत्रों के अनुसार सशस्त्र बल विभाग (एएफडी) के संचालन एवं योजना प्रभाग के महानिदेशक ब्रिगेडियर जनरल हुसैन मुहम्मद मसीहुर रहमान बंगलादेश की तरफ से अमेरिका के साथ 10वें रक्षा संवाद का नेतृत्व करेंगे। अमेरिका का नेतृत्व देश के हिंद महासागर कमान के रणनीतिक योजना और नीति के निदेशक ब्रिगेडियर जनरल थॉमस जे. जेम्स करेंगे।

बैठक में क्षेत्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा, दोनों देशों के सैन्य बलों के बीच सहयोग, रक्षा उपकरण, आपदा प्रबंधन, शांति स्थापना, प्रशिक्षण आदि पर चर्चा होगी। 2012 में शुरू हुई ढाका-वाशिंगटन द्विपक्षीय रक्षा वार्ता की नौवीं बैठक पिछले साल मई के मध्य में अमेरिका में आयोजित की गई थी।

ग्रीस के जंगलों में आग ने मचाया तांडव: 18 लोग जिंदा जले, दो अग्निशामक भी हुए घायल

ग्रीस ,एजेंसी। यूनानी अग्निशमन कर्मियों को पूर्वोत्तर यूनान के एक इलाके में 18 लोगों के शव मिले हैं। यह इलाका बीते कई दिनों से जंगल में लगी भीषण आग से जूझ रहा है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता इओनिस आर्टोपियोस ने टेलीविजन पर प्रसारित एक बयान में कहा, यूनानी पुलिस ने शवों की पहचान करने के लिए देश के आपदा पीड़ित पहचान दल को सक्रिय कर दिया है, जो पूर्वोत्तर एलेक्जेंड्रोपोलिस क्षेत्र के अवंता इलाके में एक झोपड़ी के पास पाए गए थे। ग्रीक राष्ट्रपति कतेरीना साकेलारोपोलू ने एक बयान में मौतों पर दुख व्यक्त किया। राष्ट्रपति ने बार-बार लगने वाली जंगल की आग का जिक्र करते हुए कहा कि हमें यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल प्रभावी पहल करनी चाहिए।

चंद्रयान-3 वो पांच कारण जिनके चलते भारत ने रचा इतिहास, बना चांद के दक्षिण ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश

नई दिल्ली , एजेंसी। चंद्रयान-3 का लैंडर मॉड्यूल (एलएम) आज चंद्रमा की सतह पर उतर गया। इसके साथ ही भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश भी बन गया। पूरी दुनिया इस ऐतिहासिक पल का टकटकी लगाए इंतजार कर रही थी। लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) से युक्त लैंडर मॉड्यूल ने शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर सॉफ्ट लैंडिंग की।

चंद्रयान-3 से पहले 22 जुलाई 2019 को चंद्रयान-2 लॉन्च किया गया था। यह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर सॉफ्ट लैंडिंग की कोशिश करने वाला किसी भी देश का पहला अंतरिक्ष मिशन था। हालांकि, चंद्रयान-2 मिशन का विक्रम चंद्र लैंडर छह सितंबर 2019 को चंद्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

इसरो के वैज्ञानिकों ने मिशन से भी काफी कुछ सीखा। इसरो के प्रमुख एस. सोमनाथ कहते हैं कि 2019 का मिशन चंद्रयान-2 आंशिक सफल था, लेकिन इससे मिले अनुभव इसरो के चंद्रमा पर लैंडर उतारने के लिए नए प्रयास में काफी उपयोगी साबित हुए। इसके तहत चंद्रयान-3 में कई बदलाव किए गए।

चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के लिए नए उपकरण बनाए गए। एल्गोरिदम को बेहतर किया गया। जिन वजहों से चंद्रयान-2 मिशन चंद्रमा की सतह पर नहीं उतर पाया था, उन पर फोकस किया गया।

लैंडर में पांच की जगह चार इंजन लगाए गए

चंद्रयान-2 के लैंडर में पांच इंजन लगे थे जबकि इस बार भार कम करने के लिए चंद्रयान-3 में चार इंजन लगाए गए। चंद्रयान-3 में लेजर डॉपलर वेलोसिमिट्री के साथ चार इंजन लगाए गए जिसका उद्देश्य था कि वह चंद्रमा पर उतरने के सभी चरणों में अपनी ऊंचाई और अभिविन्यास को नियंत्रित कर सके।

लैंडर के पांव पहले के मजबूत बनाए गए

चंद्रयान-3 में किसी भी अप्रत्याशित प्रभाव से निपटने के लिए पैरों को मजबूत किया गया। इसके साथ अधिक उपकरण, अपडेटेड सॉफ्टवेयर और एक बड़ा ईंधन टैंक लगाए गए। ऐसा इसलिए किया गया था कि यदि अंतिम मिनट में कोई बदलाव भी करना पड़ा तो ये उपकरण उस स्थिति में महत्वपूर्ण हो सकें।

लैंडिग का क्षेत्रफल बढ़ाया गया

इसरो ने चंद्रयान-2 से सीखते हुए चंद्रयान-3 में व्यापक बदलाव किए। चंद्रयान-2 के उतरने के लिए जितना क्षेत्र निर्धारित किया गया था, उसमें काफी इजाफा किया गया। लैंडिंग के लिए लगभग 10 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र तय किया गया।

अल्टरनेट लैंडिंग की सुविधा से लैस किया गया

इसरो ने परीक्षण के दौरान यह तय कर लिया था कि अगर लैंडिंग के लिए एक जगह सही नहीं लगी तो दूसरी जगह भी तैयार रहेगी। चंद्रयान-3 को टारगेट स्थल से आगे-पीछे ले जाने की व्यवस्था की गई। एक किलोमीटर के दायरे में उसकी सुरक्षित लैंडिंग हो सके, इसे पहले ही तय किया गया। चंद्रयान-3 के लिए समतल जगह का चयन किया गया है। ऐसा इसलिए कि अगर उस वक्त कोई पदार्थ बीच राह में आया तो भी चंद्रयान का संतुलन नहीं बिगड़ने दिया जाएगा।

मिजोरम में बड़ा हादसा, रेलवे का निर्माणाधीन पुल गिरने से 17 मजदूरों की मौत, कई अन्य घायल

मिजोरम, एजेंसी। मिजोरम के सैरांग इलाके में बड़ा हादसा पेश आया है। यहां बुधवार को रेलवे का एक निर्माणाधीन पुल गिरने से 17 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। घटनास्थल पर कई लोगों के फंसे होने की खबर सामने आ रही है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक अब तक कुल 17 शव बरामद कर लिए गए हैं। घायलों को रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

बताया जा रहा है कि जिस समय यह हादसा पेश आया उस समय घटनास्थल पर करीब 40 मजदूर मौजूद थे। हादसा आइजोल से करीब 21 किलोमीटर दूर सुबह 10 बजे के करीब पेश आया है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि मलबे से अब तक 17 शव निकाले गए हैं। कई अन्य अब भी लापता हैं। मौके पर राहत दल काम कर रहा है। रेलवे की ओर से आशंका जताई गई है कि पुल के मलबे में कई लोग फंसे हो सकते है।

वहीं, हादसे को लेकर पीएम मोदी ने दुख जताया है। ढटड ने ट्वीट कर कहा, 'मिजोरम में पुल दुर्घटना से दुखी हूं। उन लोगों के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायल शीघ्र स्वस्थ हों।

नाले बने नदियां, मंडी कुल्लू में फिर तबाही

बाढ़ में बह गए स्कूल, घर और मवेशी

मंडी, एजेंसी। मंडी जिला के कटौला में बादल फटने की घटना पेश आई है। यहां बागी नाला में बादल फटने से भयंकर बाढ़ आ गई, जिसमें एक परिवार फंस गया। पानी का बहाव इतना था कि घर के चारों तरफ बढ़ा नाला बह रहा था और एक परिवार घर के अंदर कैद था। जैसे की प्रशासन को इसकी सूचना मिली तो मौके पर एनडीआरएफ की टीम को बुलाना पड़ा, जिन्होंने परिवार को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। बता दें कि अभी तक नाले ने बहुत कुछ तबाह किया है, जिसमें शेगली से पाराशर को जोड़ने वाली मुख्य सड़क का भी कई जगह नामोनिशान मिटा दिया है।

गोहर में एक मकान के धराशायी होने से एक व्यक्ति सहित पांच मवेशी भी मलबे में दब गए हैं। उधर, कुल्लू के आनी में भी हालात खराब हैं, याह श्वाड खड्ड उफान पर आ गई है, जिससे लोग सहमे हुए हैं। भूस्खलन से नेशनल हाईवे 305 सहित कई संपर्क मार्ग अवरूद्ध हैं। पंडोह में खोला नाल का नाला भयंकर रूप धारण कर लिया है, जिससे जमा दो स्कूल और प्राथमिक स्कूल समेत 50 भेड़ बकरियां और दो दर्जनों मवेशी बह गए हैं। इसके अलावा ग्राम पंचायत कशोड में पांच मकान बह गए।

भूस्खलन से खोला नाल पंचायत में सलैंन और गौंनी गांव को खतरा पैदा हो गया है। ग्राम पंचायत खाहरी में जमा दो स्कूल शारटी में पानी भरने और कुछ कमरे बहने का समाचार है। यही हाल शिमला का भी है। शिमला में भारी बरसात के चलते टूटीकंडी आईएसबीटी और फागली के बीच प्राइवेट बस मलबे में दब गई है, जबकि अन्य जगह भी बाढ़ जैसे हालात हैं। टोलैंड मार्ग पानी से भर गया है और जगह-जगह भूस्खलन हो रहा है।

अनुच्छेद 370: केंद्र ने सुको से कहा, पूर्वोत्तर राज्यों पर लागू विशेष प्रावधानों में बदलाव का कोई इरादा नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट किया कि पूर्वोत्तर राज्यों पर लागू विशेष प्रावधानों में किसी भी तरह का बदलाव का उसका कोई इरादा नहीं है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पांच सदस्यीय संविधान पीठ के समक्ष केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के अस्थायी प्रावधान पर चर्चा में इसका कोई भी संदर्भ 'संभावित शरारत' हो सकता है। उन्होंने पूर्ववर्ती राज्य जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के प्रभाव पर चर्चा का फिर विरोध किया।

तुषार मेहता के बयान के बाद पीठ ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं में एक हस्तक्षेपकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे कांग्रेस सांसद और अधिवक्ता मनीष तिवारी से कहा,"आपको धारा 370 पर कुछ नहीं कहना है, तो हम आपकी दलीलें क्यों सुने?" जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान श्री तिवारी ने दलील दी कि भारतीय सीमा में थोड़ी सी भी आशंका के गंभीर प्रभाव हो सकते हैं। अदालत वर्तमान में मणिपुर में ऐसी ही एक स्थिति का सामना कर रही है।

उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर पर अनुच्छेद 370 लागू होता है और इसकी व्याख्या संभवतः अन्य प्रावधानों को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने तर्क दिया कि अनुच्छेद 371 का छह उप भाग जो पूर्वोत्तर पर लागू होते हैं। संविधान की छठी अनुसूची जो असम, त्रिपुरा, मेघालय पर लागू होती है, इस मामले में प्रासंगिक हो जाती है। इस पर संविधान पीठ ने कहा, "संविधान पीठ

का संदर्भ अनुच्छेद 370 तक ही सीमित है। हस्तक्षेपकर्ता द्वारा संबोधित किए जाने वाले मुद्दों और इस संविधान पीठ के संदर्भ में उठाए गए मुद्दों के बीच हितों की कोई समानता नहीं है। किसी भी स्थिति में केंद्र सरकार की ओर से दिया गया एक बयान उस संबंध में किसी भी आशंका को दूर कर देगा। इसलिए हम उस हस्तक्षेपकर्ता के आवेदन का निपटारा किया जाता है।"

तुषार मेहता ने कहा,"मुझे (केंद्र से) यह कहने के निर्देश हैं। हमें बहुत जिम्मेदार होना होगाङ्क हमें अस्थायी प्रावधान को समझना चाहिए जो कि अनुच्छेद 370 और पूर्वोत्तर सहित अन्य राज्यों के संबंध में विशेष प्रावधान हैं।" उन्होंने सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए कहा,"केंद्र सरकार का पूर्वोत्तर और अन्य क्षेत्रों को विशेष प्रावधान देने वाले किसी भी भाग में किसी भी तरह का बदलाव का कोई इरादा नहीं है। इसमें (अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई) बहुत संभावित शरारत होगी। इसलिए, मैं बीच में ही इसे स्पष्ट कर रहा हूं। आइए हम इसे अस्थायी तक ही सीमित रखें।"

श्री मेहता ने श्री तिवारी की दलील पर कहा कि कोई आशंका नहीं है। हम कोई आशंका पैदा करने की कोशिश न करें। इस पर संविधान पीठ की अध्यक्षता कर रहे मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा,"हमें इससे प्रत्याशा या आशंका में क्यों निपटना चाहिए? हम एक विशिष्ट प्रावधान से निपट रहे हैं जो अनुच्छेद 370 हैङ्कहमें संविधान के अन्य प्रावधानों पर व्याख्या के प्रभाव पर इस दायरे का विस्तार करने की आवश्यकता नहीं है।" पीठ ने कहा कि अनुच्छेद 370 को एक अस्थायी प्रावधान बताया गया है और निश्चित रूप से वकील ने तर्क दिया है कि यह अस्थायी नहीं है और अनुच्छेद 371 को इन कार्यवाही में नहीं लाया जाना चाहिए।

संविधान पीठ ने आगे कहा कि केंद्र सरकार ने अदालत को सूचित किया है कि उसका ऐसा कोई इरादा नहीं है। हमें यह आशंका क्यों होनी चाहिए कि सरकार देश के अन्य हिस्सों में यही (जम्मू कश्मीर की तरह) करना चाहती है। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि हमें अभी पूर्वोत्तर पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए। सरकार की ओर से दिए गए बयान से यह आशंका दूर हो गई है। शीर्ष अदालत ने श्री मेहता की दलीलों पर गौर किया कि केंद्र का पूर्वोत्तर या भारत के किसी अन्य हिस्से पर लागू किसी भी विशेष प्रावधान में बदलाव करने का कोई इरादा नहीं है।

चांद की मिट्टी से मिलती-जुलती है इस राज्य की मिट्टी, वैज्ञानिक भी हैरान

नई दिल्ली ,एजेंसी । इसरो के चंद्रयान 3 अभियान में देश के एक राज्य की मिट्टी ने अहम भूमिका निभाई है। यह राज्य है तमिलनाडु। तमिलनाडु ने इसरो के महत्वाकांक्षी चंद्रमा मिशन के परीक्षण के लिए तीसरी बार मिट्टी की आपूर्ति की है।

पेरियार विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के निदेशक प्रोफेसर एस अनबझगन ने बताया कि तमिलनाडु के नामक्कल में प्रचुर मात्रा में मिट्टी उपलब्ध थी, ऐसे में जरूरत पड़ने पर इसरो ने इसका इस्तेमाल किया।

दरअसल तमिलनाडु में इस प्रकार की मिट्टी है जैसी चंद्रमा की सतह पर है। यह मिट्टी खासतौर पर दक्षिणी ध्रुव (चंद्रमा के) पर मौजूद मिट्टी से काफी मिजली-जुलती है। चंद्रमा की सतह पर मिट्टी 'एनॉर्थोसाइट' है जो मिट्टी का एक प्रकार है।'

हिमाचल की तबाही को राष्ट्रीय आपदा घोषित कर 10,000 करोड़ रुपए का पैकेज जारी करे केंद्र'

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश में बारिश का कहर अभूतपूर्व तरीके से टूटा है और वहां के लोगों का जीवन तबाह हो गया है, इसलिए केंद्र सरकार हिमाचल की घटना को राष्ट्रीय आपदा घोषित कर वहां के लिए 10000 करोड़ रुपए का पैकेज जारी करे। कांग्रेस के हिमाचल के प्रभारी राजीव शुक्ला ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हिमाचल में हर तरफ बारिश ने ऐसी तबाही मचाई है कि उसका अंदाज नहीं लग जा सकता। कई बड़े बड़े राजमार्ग बह गए हैं और उनका पता तक नहीं चल रहा है। लोगों का जीवन तबाह हो गया है इसलिए केंद्र ने केदारनाथ की

तबाही और भुज में भूकंप के समय जो कदम उठाए थे उसी तर्ज पर हिमाचल में राहत पैकज दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा,"केंद्र सरकार ने अब तक सिर्फ 200 करोड़ रुपए हिमाचल को दिए हैं लेकिन हम 10 हजार करोड़ रुपए की मांग कर रहे हैं। मैं देश के सभी लोगों से भी अपील करता हूं कि आप लोग भी हिमाचल के लिए मदद करें।" कांग्रेस नेता ने कहा कि हिमाचल के इतिहास में ऐसी भयानक तबाही आज तक नहीं हुई। राज्य में अब तक 330 जानें जा चुकी हैं और 12,000 घर तबाह हो चुके हैं। तकरीबन 13 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। करीब 75,000 पर्यटक और 17,000 गाड़ियां फंसी थीं, जिन्हें हिमाचल सरकार ने 48 घंटे में सुरक्षित निकाल लिया था। राज्य के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और सारे मंत्री रात-रात भर इस आपदा में साथ खड़े रहे।

राजीव शुक्ला ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा के तहत 10 हज़ार रुपए घर टूटने पर देने का प्रावधान है। राज्य सरकार एक लाख रुपए दे रही है तो सवा लाख रुपए में पहाड़ पर घर नहीं बन सकता है। इससे कुछ होने वाला नहीं है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हरियाणा सरकार ने हिमाचल को आर्थिक सहायता दी है और अन्य राज्यों को भी इसी तरह से उसकी मदद करनी चाहिए। राजीव शुक्ला ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की थी तथा उन्होंने मदद का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ है, इसलिए उनसे आग्रह है कि जल्द से जल्द मदद करें। उन्होंने भाजपा को पार्टी स्तर पर राजनीति नहीं करनी चाहिए बल्कि मानवीय आधार पर हिमाचल की मदद की जानी चाहिए।

'चन्द्रयान में जो यात्री गए हैं, मैं उन्हें सलाम करता हूं', ये क्या बोल गए राजस्थान के मंत्री; हो रहे ट्रोल

नई दिल्ली, एजेंसी । भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने चांद पर इतिहास रच दिया है। चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग हो गई है। इसरो के इस मिशन को सफल होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो को बधाई देते हुए खुशी जाहिर की है। वहीं इस बीच इसरो को बधाई देने वालों का ताता लग गया है। पूरी दुनिया अपने-अपने तरीके से करफ्ढ को बधाई दे रही है। इस बीच एक्स पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें राजस्थान सरकार के मंत्री अशोक चांदना भी इसरो को बधाई देते हुए कह रहे है कि "चंद्रयान में जो यात्री गए हैं, मैं उन्हें सलाम करता हूं।'

एंटीलिया विस्फोटक मामला : सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा को दी जमानत

नई दिल्ली ,एजेंसी । सुप्रीम कोर्ट ने उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर विस्फोटक से भरा एसयूवी रखने और उसके बाद वाहन मालिक मनसुख हिरेन की मौत मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा गिरफ्तार महाराष्ट्र पुलिस के पूर्व 'एनकाउंटर स्पेशलिस्ट' प्रदीप शर्मा की जमानत याचिका बुधवार को मंजूर कर ली।न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने महाराष्ट्र पुलिस के पूर्व वरिष्ठ पुलिस इंस्पेक्टर द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका पर अपना फैसला सुनाते हुए कहा, हमने अपील स्वीकार कर ली है और जमानत दे दी है।इस साल जनवरी की शुरुआत में बॉम्बे हाई कोर्ट ने शर्मा की जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि वह एक प्रभावशाली व्यक्ति है और उसके द्वारा साक्ष्यों से छेड़छाड़ की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, जून में सुप्रीम कोर्ट की एक अवकाश पीठ ने शर्मा को अपनी बीमार पत्नी से मिलने के लिए तीन सप्ताह की अंतरिम जमानत दी थी, जिसे पिछले महीने अदालत ने 07 अगस्त तक बढ़ा दिया था।एनआईए ने शर्मा, जिन्हें मुंबई पुलिस का 'डर्टी हैरी' कहा जाता है, को सनसनीखेज मामले में 'मुख्य साजिशकर्ता' के रूप में नामित किया था। उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के पास 25 फरवरी 2021 को 20 जिलेटिन की छड़ें और एक धमकी भरे नोट के साथ एक एसयूवी मिली थीं।

शिक्षा प्रणाली में बड़ा बदलाव : साल में दो बार बोर्ड परीक्षाएं, 11वीं-12वीं में पढ़नी होंगी कम से कम 2 भाषाएं

नई दिल्ली ,एजेंसी । बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार आयोजित की जाएंगी। छात्रों को इन परीक्षाओं में से अपने सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाए रखने की अनुमति होगी। बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक अब बोर्ड परीक्षाओं का उद्देश्य छात्रों में विषयों की समझ का मूल्यांकन करना होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस नई पद्धति से कोचिंग और याद रखने की आवश्यकता में कमी आएगी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि इसके अलावा, 11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ाई के दौरान विषयों का चयन सीमित नहीं रहेगा। छात्रों को 11वीं और 12वीं कक्षा में अपनी पसंद के विषय चुनने की सुविधा मिलेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक कक्षा 11 और 12 के छात्रों को कम से कम दो भाषाएं पढ़नी होंगी। मंत्रालय का कहना है कि 11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ाई जाने वाली इन भाषाओं में से एक भारतीय भाषा होनी चाहिए।

दरअसल, बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क पर एक संयुक्त व महत्वपूर्ण बैठक बुलाई।

गौरतलब है कि कस्तूरीरंगन के मार्गदर्शन में स्टीरिंग समिति ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत करिकुलम फ्रेमवर्क पर अपनी रिपोर्ट तैयार की है। कस्तूरीरंगन समिति ने अपनी रिपोर्ट व करिकुलम फ्रेमवर्क सरकार को सौंप दिया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि शिक्षा मंत्रालय ने आगे की कार्रवाई के लिए ही इसे एनसीईआरटी को दिया है।गौरतलब है कि एनसीईआरटी स्कूली शिक्षा के लिए पाठ्यपुस्तकें तैयार करती हैं। एनसीईआरटी ने करिकुलम पर दो समितियां बनाई हैं। इनमे राष्ट्रीय निरीक्षण समिति और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक समिति बनाई हैं।शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि ये दोनों समितियां 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुसार और मूल भारतीय सोच पर आधारित पाठ्यक्रम तैयार करेंगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि कक्षा 3 से 12 तक के लिए भविष्य की शिक्षण और शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए कहा गया है। इसको लेकर पहली ओरिएंटेशन बैठक बुधवार को हुई।शिक्षा मंत्री का कहना है कि हमें विश्वास है कि नई पाठ्यपुस्तकें सभी आवश्यकताओं को पूरा करेंगी। खासतौर पर जब दुनिया भारत से बहुत उम्मीद कर रही है, जब पीएम ने अमृत काल का सपना दिखाया है, ऐसे समय में नई पाठ्यपुस्तकें आवश्यकताओं को पूरा करेंगी। हाल ही में स्कूली पाठ्य पुस्तकें तैयार करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति बनाई गई है। इस 'राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षण शिक्षण सामग्री समिति' में कई शिक्षाविद्, अर्थशास्त्री व विशेषज्ञ शामिल हैं।

त्रिसा—गायत्री की जोड़ी विश्व चैम्पियनशिप के प्रीक्वार्टर फाइनल में

कोपेनगेहन, भारतीय खिलाड़ी त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने बुधवार को यहां मजबूत प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे की चांग चिंग हुई और यांग चिन टुन की जोड़ी पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप महिला युगल वर्ग के प्री क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

गायत्री और त्रिसा की दुनिया की 19वें नंबर की जोड़ी को पहले दौर में बाई मिली थी । उन्होंने 37वीं रैंकिंग पर काबिज चांग और यांग की जोड़ी को 38 मिनट में 21—18 21—10 में हराया।

यह भारतीय जोड़ी आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के पिछले दो चरण के सेमीफाइनल में पहुंची थी और अब उनका सामना अगले दौर में चीन की चेन किंग चेन और जिया यि फान की शीर्ष वरीय जोड़ी से होगा।

त्रिसा और गायत्री पहले 2—5 से पिछड़ रही थी लेकिन जल्द ही उन्होंने रैली के जरिये अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ गलतियां कम करते हुए 8—6 से बढ़त बना ली।चांग और यांग हालांकि 8—8 की बराबरी पर आ गयी लेकिन भारतीय जोड़ी ताइवान की जोड़ी के नेट पर शॉट लगाने से ब्रेक तक 11—9 से आगे हो गयी।

ब्रेक के बाद त्रिसा और गायत्री 14—11 से बढ़त बनाये थीं। तभी त्रिसा ने कुछ गलतियां कर दी लेकिन भारतीय जोड़ी चांग और यांग की सर्विस गलती से चार गेम प्वाइंट हासिल करने में सफल रहीं। यांग के शॉट के नेट पर जाने से भारतीय जोड़ी ने गेम अपने नाम किया।

दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने यही लय बनाये रखी और एक समय 8—5 से आगे चल रही थीं। एक ताकतवर सर्व से भारतीयों ने ब्रेक तक तीन अंक की बढ़त बनाये रखी।

गायत्री और त्रिसा जल्द ही 14—8 से आगे हो गयी। उन्हें ऊंचाई के कारण सर्विस की गलती के लिए बुलाया गया लेकिन इसका कोई असर नहीं पड़ा और उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को गलतियों की वजह से 19—10 से बढ़त बना ली।

यांग के फोरहैंड के नेट में जाने से भारतीय जोड़ी 10 मैच प्वाइंट से आगे थे और फिर प्रतिद्वंद्वी के वाइड जाने से मैच जीत लिया।

शुभमन गिल वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर

दुबई, भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल आईसीसी एक दिवसीय क्रिकेट बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक पायदान चढकर चौथे स्थान पर पहुंच गए जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर रवि बिश्नोई की टी20 रैंकिंग में सुधार आया है ।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पहले वनडे के बाद आईसीसी द्वारा जारी रैंकिंग में गिल के 743 रेटिंग अंक है और वह भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले बल्लेबाज हैं ।

आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला में भारत की कप्तानी कर रहे बुमराह सात पायदान चढकर 84वें स्थान पर पहुंच गए जबकि बिश्नोई 17 पायदान चढकर 65वें स्थान पर हैं ।बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ 143 पायदान चढकर 87वें स्थान पर हैं । सूर्यकुमार यादव टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं ।

वनडे में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम पहले और इमाम उल हक तीसरे स्थान पर हैं । भारत के विराट कोहली नौवें और कप्तान रोहित शर्मा 11वें स्थान पर बने हुए हैं ।

विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के कोचिंग स्टाफ में फोस्टर, फ्लेमिंग और बेल शामिल

आकलैंड, न्यूजीलैंड ने भारत में होने वाले विश्व कप से पहले टीम के कोचिंग स्टाफ में पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग के साथ इंग्लैंड के इयान बेल और जेम्स फोस्टर को शामिल किया है ।

फ्लेमिंग और पूर्व विकेटकीपर फोस्टर के पास आईपीएल का अनुभव भी है ।

फ्लेमिंग एक दशक से अधिक समय से चेन्नई सुपर किंग्स के कोच हैं और महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली टीम को पांच आईपीएल खिताब दिला चुके हैं । वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के जरिये कीवी टीम से जुड़ेंगे ।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, फ्लेमिंग का आना टीम के लिये और स्टाफ के लिये भी बहुत अच्छा है ।

उन्होंने कहा , उनके पास भारत में खेलने का अपार अनुभव है और आईपीएल की शुरूआत से चेन्नई टीम के साथ है । उनसे भारत में खेलने को लेकर काफी उपयोगी जानकारी मिलेगी।

दूसरी ओर फोस्टर कोलकाता नाइट राइडर्स के मौजूदा सहायक कोच हैं । वह दुनिया भर में टी20 लीग में कोचिंग कर चुके हैं ।वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के जरिये टीम से जुड़ेंगे ।

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज बेल इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने के आखिर में होने वाली टी20 श्रृंखला के जरिये न्यूजीलैंड टीम से जुडेंगे । वह ल्यूक रोंची की जगह बल्लेबाजी कोच होंगे ।

बाकू में अमनप्रीत के शानदार प्रदर्शन से भारत ने जीता स्वर्ण और कांस्य

नई दिल्ली, अमनप्रीत सिंह ने अजरबैजान के बाकू में चल रही इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड चैंपियनशिप (ऑल इवेंट्स) में पुरुषों की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल प्रतियोगिता जीतकर भारत को पांचवां स्वर्ण पदक दिलाया।

महिला स्टैंडर्ड पिस्टल तिकड़ी ने टीम प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता, जिससे देश की संख्या पांच स्वर्ण और चार कांस्य पदक तक पहुंच गई।इसके साथ, भारत अब पदक तालिका में चीन के बाद दूसरे स्थान पर आ गया है, जो 24 पदकों के साथ शीर्ष पर है, जिनमें से 13 स्वर्ण हैं।अमनप्रीत ने पुरुषों की स्टैंडर्ड पिस्टल में 577 का स्कोर किया, जो रजत विजेता कोरियाई ली गुनह्योक से तीन अंक आगे था, जिन्होंने 574 का स्कोर किया। फ्रांस के केविन चैपोन ने ली के समान स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता, लेकिन कोरियाई की तुलना में कम आंतरिक 10 के साथ।

भारतीय टीम में अमनप्रीत के अलावा हर्ष गुप्ता (573 के साथ चौथे) और अक्षय जैन (545) शामिल थे, हालांकि, टीम पदक से चूक गए और 1695 के कुल योग के साथ चीन, जर्मनी और कोरिया के बाद चौथे स्थान पर रहे।महिलाओं की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में, जबकि तियाना (538 के साथ 11वें), याशिता शौकीन (536 के साथ 12वें) और कृतिका शर्मा (527 के साथ 14वें) व्यक्तिगत प्रतियोगिता में पदक दौर में जगह बनाने में असफल रहीं,

अलग बल्लेबाजी शैली से मदद मिलती है, रोहित के साथ साझेदारी पर बोले गिल

नयी दिल्ली, भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल का मानना है कि उनकी और कप्तान रोहित शर्मा की अलग अलग बल्लेबाजी शैलियों से उनकी सलामी जोड़ी कामयाब रही है ।भारतीय टीम एशिया कप और विश्व कप में उतरेगी तो कामयाबी का दारोमदार बहुत हद तक इस जोड़ी पर रहेगा । गिल ओर रोहित ने वनडे में नौ मैचों में साथ खेलकर 685 रन बनाये हैं ।गिल ने कहा , रोहित पावरप्ले में हवाई शॉट लगाना पसंद करते हैं जबकि मैं जगह तलाशकर चौके लगाता हूं । उन्हें छक्के जड़ना पसंद है । मुझे लगता है कि अलग अलग शैली होने से ही यह जोड़ी कामयाब रही है ।रोहित के साथ बल्लेबाजी के बारे में उन्होंने कहा कि कप्तान उन्हें अपना स्वाभाविक खेल दिखाने की आजादी देते हैं । उन्होंने कहा, उनके साथ पारी की शुरूआत करना शानदार है ।

ताम्बरी ने ऊंची कूद में स्वर्ण पदक जीता; एल बक्काली ने 3,000 मीटर स्टीपलचेज का खिताब जीता

बुडापेस्ट, ओलंपिक चैंपियन इटली के जियानमार्को टैम्बरी ने यहां विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रोमांचक प्रदर्शन के बाद अपना पहला विश्व ऊंची कूद खिताब जीता ।संयुक्त ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ने पहली बार 3.36 मीटर की दूरी तय की और मंगलवार को विश्व में बढ़त बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। ओलंपिक फाइनलिस्ट जुवॉन हैरिसन, जो अपने पहले प्रयास में असफल रहे, को अपने दूसरे प्रयास में रजत जीतने का मौका मिला, जो उनका पहला वैश्विक पदक था, जबकि कांस्य पदक कतर के मुताज़ बार्शिम के पास गया।पुरुषों की 3,000 मीटर स्टीपलचेज़ में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता मोरक्को के सौफियाने एल बक्काली ने अपना लगातार दूसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब जीता, क्योंकि उन्होंने 8 मिनट, 3.53 सेकंड का समय लेकर विश्व रिकॉर्ड धारक और ओलंपिक रजत पदक विजेता इथियोपिया के लामेचा गिरमा को पीछे छोड़ दिया।गिरमा ने 8:05.44 के साथ अपना लगातार चौथा वैश्विक रजत पदक जीता, जबकि राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन अब्राहम किबिवोट अपने साथी लियोनार्ड किपकेमोई बेट को 8:11.98 के साथ कांस्य पदक दिलाने में सफल रहे।महिलाओं की 1500 मीटर में, फेथ किपयेगॉन ने अपना विश्व खिताब बरकरार रखने के लिए शुरू से अंत तक ट्रैक रेस का नेतृत्व किया, एक इवेंट में वह इस साल पहले ही विश्व रिकॉर्ड बना चुकी हैं।किपयेगॉन को मैदान में कोई चुनौती नहीं मिली, उन्होंने 3:54.87 में जीत हासिल की, इथियोपिया के डिरिबे वेल्टेजी दूसरे स्थान पर रहे, (3:55.69)।

महिला सिफ़ान हसन, जो दौड़ में केवल 10 मीटर शेष रह जाने के कारण पहले ही 10,000 मीटर में स्वर्ण पदक जीतने से चूक गई थीं, ने 3:56.00 का समय लेकर कांस्य पदक जीता।

फिल्मी दुनियां

सलमान ने करण जौहर की फिल्म के लिए बदला लुक? बनेंगे सेना के अफसर

सलमान खान बिग बॉस ओटीटी 2 के खत्म होने के बाद अपनी आगामी फिल्मों की तैयारी में जुट गए हैं।अभिनेता टाइगर 3 के साथ दिवाली के मौके पर धमाका करने वाले हैं, वहीं वह 25 साल बाद करण जौहर की फिल्म में नजर आएंगे। अब अभिनेता का नया लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।इससे देखकर कयास लगाए जा रहे हैं कि यह करण की फिल्म के लिए है, जिसमें सलमान सेना के अफसर का किरदार निभाएंगे। दरअसल, सलमान बीती रात एक पार्टी में अपने नए लुक में नजर आए थे। इसके बाद से ही अभिनेता की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।सलमान का यह लुक करण और शेरशाह के निर्देशक विष्णु वर्धन की फिल्म के लिए बताया जा रहा है, जिसमें वह एक सेना के अधिकारी के किरदार में होंगे।सलमान टाइगर 3 के बाद इसी फिल्म पर काम शुरू करने वाले हैं, जिसकी उन्होंने तैयारी भी शुरू कर दी है। सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार, शेरशाह की तरह ही वर्धन की यह फिल्म भी सेना की पृष्ठभूमि पर आधारित है।सूत्र का कहना है कि वर्धन को शेरशाह के लिए दर्शकों से बहुत प्यार मिला। यहां तक कि कई सैन्य अधिकारियों और उनके परिवारों ने भी इसे पसंद किया था।ऐसे में अब सलमान के साथ उनकी दूसरी बॉलीवुड फिल्म भी भारतीय सेना के बारे में ही है, जिसकी शूटिंग नवंबर से शुरू हो जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, सलमान, करण और वर्धन के बीच पिछले 6 महीने से इस फिल्म को लेकर बात चल रही थी। अब सबकुछ तय हो गया है और इसकी शूटिंग 7—8 महीनों तक चलेगी। फिल्म का प्री—प्रोडक्शन इसी महीने से शुरू हुआ है और इसमें अभिनेता जबरदस्त एक्शन अवतार में नजर आएंगे।यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित है और करण कुछ कुछ होता है (1998) के बाद सलमान के साथ फिर काम करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। यह फिल्म क्रिसमस 2024 के मौके पर सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटा सकती है। इसका नाम अभी तय नहीं हुआ है।अगर फिल्म की रिलीज तारीख में कोई बदलाव नहीं होता है तो बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर फिरोज नाडियाडवाला की फिल्म से होगी।

गिप्पी ग्रेवाल ने किया अपनी नई फिल्म मौजां ही मौजां का ऐलान, पहला पोस्टर भी जारी

पंजाबी सिनेमा के जाने—माने अभिनेता और गायक गिप्पी ग्रेवाल ने कैरी ऑन जट्टा 3 की सफलता के बाद अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम मौजां ही मौजां है। फिल्म का पहला पोस्टर भी सामने आ चुका है, जिसे प्रशंसकों का बेशुमार प्यार मिल रहा है।इसके साथ निर्माताओं ने मौजां ही मौजां की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठा दिया है। गिप्पी ने इंस्टाग्राम पर मौजां ही मौजां का पोस्टर साझा किया है। उन्होंने लिखा, मौजां ही मौजां का फर्स्ट लुक आया है। सिनेमाघरों में मिलते हैं 20 अक्टूबर को।मौजां ही मौजां का निर्देशन स्मीप कांग द्वारा किया जा रहा है, जबकि अमर दीप ग्रेवाल द्वारा फिल्म के निर्माता हैं।इसके अलावा गिप्पी शेरां दी कौम पंजाबी में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए दिग्गज अभिनेता संजय दत्त पंजाबी सिनेमा की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार है। पोस्टर बहुत दिलचस्प लग रहा है और भरपूर कॉमेडी और हंसी के साथ एक मजेदार मनोरंजन पैकेज देने का वादा करता है। जैसा कि अनुमान लगाया गया है, फिल्म भाई—बहनों की प्रेम कहानियों को दिखाएगी और गिप्पी ग्रेवाल को बहरा, बिन्नू ढिल्लों को अंधा और करमजीत अनमोल को गूंगे के रूप में अपनी विकलांगता के कारण अपमान का सामना करना पड़ता है। लेकिन अभी तक इस साजिश पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

ड्रीम गर्ल 2 का नया गाना जमनापार जारी, बैकलेस लहंगे में आयुष्मान खुराना ने गिराया कहर

आयुष्मान खुराना अपनी फिल्म ड्रीम गर्ल 2 की रिलीज के लिए तैयारी कर रहे हैं. यह इसी नाम से 2019 की हिट कॉमेडी ड्रामा का सीक्वल है. जो इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में आएगी. एक्ट्रेस अनन्या पांडे फिल्म में आयुष्मान की प्रेमिका की भूमिका निभा रही हैं. फिल्म का ट्रेलर और एल्बम के दो गाने दिल का टेलीफोन 2.0 और नाच पहले ही रिलीज हो चुके हैं, और इन्हें ऑडियंस से पॉजिटिव कमेंट्स मिल रही है. अब, तीसरा गाना जमनापार लॉन्च किया गया है, जिसमें आयुष्मान अपने पूजा अवतार में डांस करते नजर आ रहे हैं.

फिल्म मेकर्स ने एल्बम का तीसरा गाना जारी किया है. इस ट्रैक को मीत ब्रदर्स ने कंपोज किया है, जिन्होंने नेहा कक्कड़ के साथ अपनी आवाज भी दी है. गाने के बोल कुमार ने लिखे हैं. गाने में आयुष्मान को फिल्म में उनके किरदार पूजा के किरदार में देखा जा सकता है. वह लहंगा पहने हुए बेहद खूबसूरत लग रहे थे और उन्होंने ट्रैक की धुन पर शानदार डांस किया. गाने में विजय राज और मनजोत सिंह भी हैं.

आयुष्मान के पहले कभी न देखे गए अवतार को देखकर फैंस शॉक रह गए हैं.

के के मेनन की लव ऑल का ट्रेलर जारी, 25 अगस्त, 2023 को रिलीज होगी फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता के के मेनन की फिल्म लव ऑल का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसे सोशल मीडिया पर अच्छी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं।इसमें श्री स्वरा और स्वास्तिका मुखर्जी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।लव ऑल की कहानी पूर्व भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पुलेला गोपीचंद पर आधारित है।इसका निर्माण आनंद पंडित ने महेश भट्ट और पुलेला गोपीचंद के साथ मिलकर किया है। फिल्म का निर्देशन सुधांशु शर्मा द्वारा किया जा रहा है।

लव ऑल 25 अगस्त, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

इमोशनल रोल से खुद को दूर रखना चाहती हैं जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर ने बवाल में वरुण धवन के साथ जबरदस्त परफॉर्मेंस दी. एक्ट्रेस ने धड़क में एक शानदार किरदार के साथ शुरुआत बॉलीवुड में डेब्यू किया. रोमांटिक किरदारों के अलावा, जान्हवी ने मिली, गुंजन सक्सेना और कई अन्य फिल्मों में काम किया है. जान्हवी ने यादगार परफॉर्मेंस देकर खुद को एक सशक्त एक्ट्रेस के रूप में स्थापित किया है. बवाल एक्ट्रेस ने अब अपने करियर में आगे चलकर कॉमेडी करने और ग्लैमरस रोल प्ले करने का फैसला किया है.

जान्हवी ने धड़क में अपने प्रदर्शन के बाद ग्लैमरस भूमिकाएं चुनने की उम्मीदों को खारिज कर दिया है. उनका मानना है कि इस तरह की भूमिकाएं लोकप्रियता हासिल करने और अभिनेताओं की पहुंच बढ़ाने के लिए काफी शक्तिशाली होती हैं. उन्होंने कहा, वे भूमिकाएं बहुत संतोषजनक हैं. लेकिन अब मैं उन कहानियों को बताने से थोड़ा संतृप्त महसूस करता हूं जिनमें इतना दर्द और उथल—पुथल शामिल है.एक एक्ट्रेस के रूप में खुद को तलाशने और अपनी टैलेंट को परखने के लिए वह चैलेंजिग रोल प्ले करना चाहती हैं. पारंपरिक और ग्लैमरस भूमिकाएं चुनने के बारे में, जान्हवी ने कहा, मैं स्क्रीन पर अच्छी दिखना चाहती हूं और थोड़ा डांस करना चाहती हूं क्योंकि इस यात्रा के दौरान कहीं न कहीं, मैं भूल गई कि जो स्वाभाविक रूप से मेरे लिए सबसे अधिक आता है. इसलिए, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि मैं कुछ समय के लिए अपनी नेचुरल अवस्था में वापस जाऊं. जान्हवी ने बवाल में अपने अलग किरदार से अपने फैंस और फॉलोअर्स को काफी प्रभावित किया था.

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com